7 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-7 फरवरी-2025 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

HAPPY
होली

Wish you a very happy holi

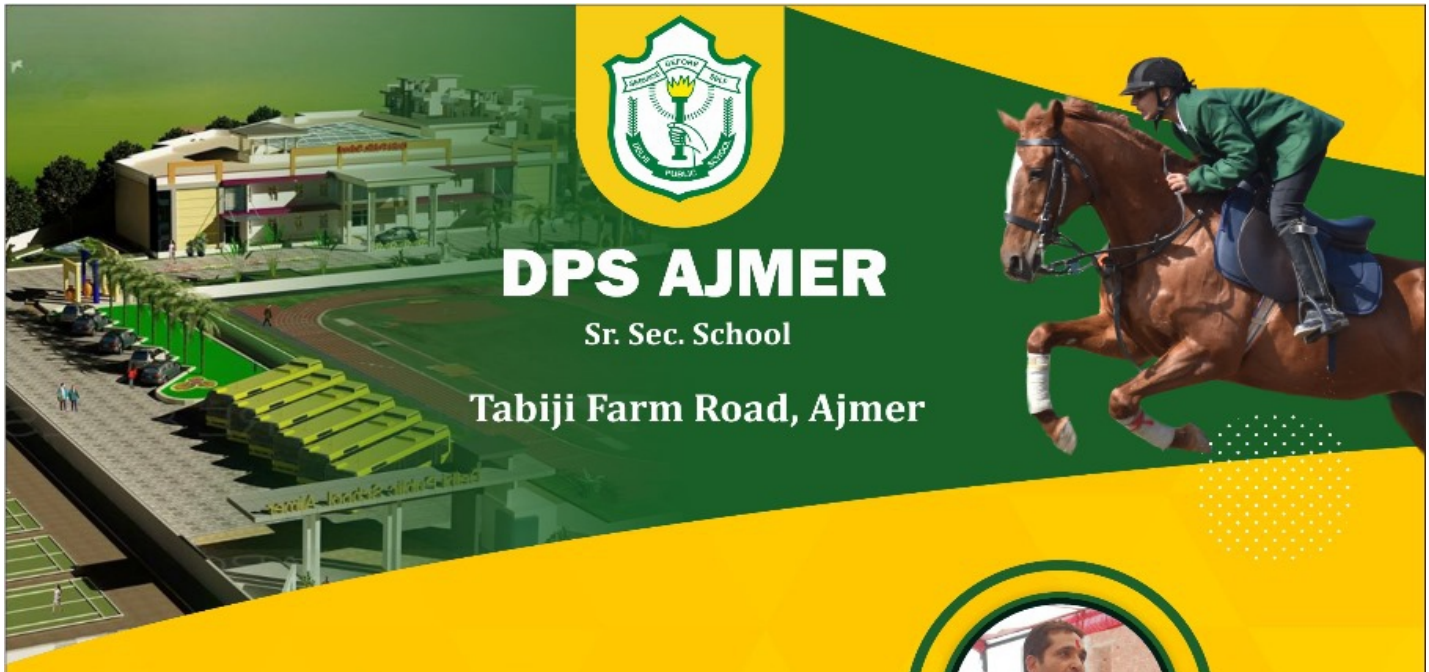

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Our Activities

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

मौसम ने करवट ले ली है, सर्द ऋतु का दौर खत्म हुआ। पतझड़ भी आकर चली गई। पेड़-पौधे की शाखा पर फिर से नये फूल खिल रहे हैं। बसंत ऋतु के प्रमुख त्योहारों में से शिवरात्री और होली का आगमन हो रहा है। भक्ति और उमंग का यह दौर हमारे जीवन में खुशियां लाने वाला है। आप सभी को **शिवरात्री एवं होली की हार्दिक शुभकामनाएं।** हम सभी जीवन में आयी कटुता को भूलकर हँसी खुशी होली का त्यौहार मनायें। रंगों का यह त्योहार आप सभी के जीवन में पुन: खुशियों का रंग भर दे।

बच्चों की बोर्ड परीक्षाएं आ गई हैं। सालभर की गई मेहनत को परीक्षा के माध्यम से परिणाम में बदलने का वक्त है। इस समय बच्चे तो बच्चे उनके अभिभावक भी अनावश्यक तनाव में आ जाते हैं कि कैसे भी क्लास एवं स्कूल में फर्स्ट आ जावे, भला यह कैसे सम्भव है कि सभी बच्चे ऐसा कर पायें? माता-पिता बच्चों पर ऐसा दबाव नहीं बनाएं। उन्हें धैर्यपूर्वक तैयारी करने दें एवं समय प्रबन्धन करके परीक्षा देने दें तथा उत्साह एवं विश्वास बनाए रखने में सहयोग दें। समय पर खाना, खेलना और सोना भी पढ़ाई के साथ जरूरी है। परीक्षा और उसके परिणाम को स्वभाविक रूप से लें चाहे कुछ अंक कम आये हों। परीक्षा ही जीवन में सब कुछ नहीं है। वर्तमान में ऐसे कई प्रमुख व्यक्तित्व हैं, उनके अंक भी कम आते थे तथा ज्यादा पढ़ नहीं पाये फिर भी उनमें छिपी प्रतिभा ने उन्हें शीर्ष बनाया। ध्यान यह रखना होगा कि अनुकूल परिणाम न आने से कहीं बच्चा जीवन में उत्साह खोकर तनाव एवं अवसाद में न आ जाये।

प्रधानमंत्री की परीक्षा पर चर्चा, CBSE की ओर से तनाव दूर करने के लिए बच्चों के सवालों का जवाब, फिल्म एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, प्रोफेसर मयंक अग्रवाल (प्रति कुलपति पतंजली विश्वविद्यालय) जैसे लोगों ने बताया कि कैसे परीक्षा के दौरान तनाव को व्यवस्थित करें। इन सभी के सुझावों का निष्कर्ष है **धैर्य के साथ नियमित पढ़ाई, योग, व्यायाम तथा खेल।** पढ़ाई के दौरान हर एक आध घण्टे बाद थोड़ा विश्राम साथ ही सेहत का ध्यान रखने के लिए पौष्टिक भोजन लेना एवं फास्टफूड एवं प्रोसेस्ड फूड का त्याग। बच्चे अपनी परीक्षा संयम, विश्वास एवं धैर्य से दें निसंदेह परिणाम अच्छे आयेंगे। 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाएगा, इस दिन हमारे प्रयास होने चाहिए कि हमारे कुमावत समाज की महिलाएं भी अन्य समाजों की भांति कैसे सशक्त हो पाएं? इस विषय पर हमारे समाज को भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। हमें महिलाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। पंचायतों तथा स्थानीय निकायों के चुनाव इस वर्ष होना संभावित है इसमें हमारे समाज की महिलाओं की भागीदारी कैसे बढ़े इस पर भी पूरे समाज को मनन तथा विचार करना चाहिए। जय कुमावत समाज।

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
विनती	4
प्रयागराज महाकुम्भ	5
ओपन शेल्टर होम, शिवदासपुरा में गणतंत्र दिवस मनाया गया	6
डायमंड जुबली स्पेशल जंबूरी में स्काउटर पी डी कुमावत हुए सम्मानित	6
शहीद मोहनलाल की प्रतिमा का अनावरण	6
सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर ने उठाये ज्वलंत मुद्दे	7
बेटे की शादी पर दान	7
रवि कुमार कुमावत प्रशासनिक अधिकारी बने	7
धवल कुमावत को अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक	7
मालवीय नगर समाज भवन जयपुर में गणतंत्र दिवस मनाया गया	7
हर्ष नागोरा एवं देव नागोरा ने जीते स्वर्ण	7
दूल्हे के इस फैसले की लोगों ने जमकर तारीफ करते हुए अनुकरणीय पहल बताई	8
नेपाल के मंदिर में चित्तौड़गढ़ के वास्तुकार ने बनाई डिजाइन	8
बिना सत्यापन किरायेदार रखने पर गिरफ्तारी	8
रोशन कुमार को कान्स्टेबल ऑफ मंथ अवार्ड	8
मन शुद्ध तो ज्ञान स्वत: प्रकट	9
सामुहिक विवाह	9
अशोक कुमावत हिंदू वाहिनी के जयपुर जिलाध्यक्ष	9
डॉ. सुनील कुमावत का एम.डी. में चयन	9
ढूंढिये वजह मुस्कुराने की-3	10
कैलाश मानसरोवर	10
शुगर, ब्लड प्रेशर एवं हृदय रोग के मरीज़ों के लिए व्यायाम	11
रंगों का त्यौहार होली	11
धनवान बनने का सूत्र	12
एकाकी परिवार से गिफ्ट में तलाक	12
प्री वेडिंग शूट : एक घातक बीमारी	13
राजस्थान पुलिस की अपील	14
बाल निवास जयपुर में गणतंत्र दिवस मनाया	15
नरेश कुमावत को गिनीज विश्व रिकॉर्ड से नवाजा !	16
आंचल बनी 'टेडएक्स' स्पीकर, विश्व स्तर पर लोगों को किया प्रेरित	16
बीएलओ राधेश्याम कुमावत राज्यस्तर पर सम्मानित	16
सिद्धान्त कुमावत ने सीएमए परीक्षा उत्तीर्ण की	16
दहमीकलां, बगरू में सप्तम सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न	17
केशरीपुरा सांवेर में 6 जोड़ों का विवाह सम्पन्न	17
पार्वती के पतिव्रत्य की परीक्षा	19
कर्म योग, ज्ञान योग और भक्ति योग से ही जन्म जन्मांतर से मुक्ति	19
कार्यस्थल पर महिलाओं से सम्मानजनक व्यवहार हो	20
जीवन रूपी कार	20
दूसरों के दबाव में न आएं : खुद की पहचान बनाएं	21
वसंत पंचमी से ब्रज में होली का उल्लास	21
महाकुंभ का पर्याय : नागा साधु	22
बच्चे को संस्कारवान बनाने में माँ ही समर्थ	23
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	26
कुमावत समाज सांगानेर के चुनाव	28

विनती

होली यानि खुशी और मस्ती का त्योहार और क्यों न हो खुशी क्योंकि जहां मौसम सुहाना हो जाता वहीं रबी की फसलें खेतों में लहलहा रही होती हैं। फसल पकने पर हमारे कृषि प्रधान भारत के लोग नाचते-गाते हैं और ढप एवं चंग की थाप चारों ओर खुशियां जो बिखेर देती हैं। होली का त्योहार हमारी हंसी-खेलती संस्कृति का है। इसे लोग एक-दूसरे को रंग-अबीर लगा कर मनाते हैं। पहले तो इसमें प्राकृतिक रंग उपयोग में लाये जाते थे जो फूलों और फलों से बनते थे। पर अब कैमिकलयुक्त रंगों ने उनका स्थान ले लिया जो त्वचा, आंखों एवं बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी तरह भांग पीकर मस्ती से झूमा जाता है उसकी जगह देशी-विदेशी शराब ने ले ली है। ये अतिक्रमण है जो हमारी खुशियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। वहीं नकली मावे से बनी मिठाईयां नुकसान देय है।

आपसे विनती है कि ऐसा न करें इससे रंग में भंग पड़ सकता है। आप आर्गनिक अर्थात प्राकृतिक रंग-गुलाल ही प्रयुक्त करें तथा मिठाईयां भी घर पर बनाकर त्योहार मनाएं।

होली पर दुश्मन भी दोस्त बन जाते हैं। अत: प्रयास करें जो आपसे नाराज है उनसे मिलकर उसकी नाराजगी दूर करें। यह आपको रिचार्ज करके उमंग से भर देगा।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

-'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार

प्रयागराज महाकुम्भ

13 जनवरी 2025 को प्रारम्भ हुए महाकुभ में सरकार की व्यवस्थाओं की हर कोई तारीफ कर रहा था। भारी भीड़ होने पर भी सब कुछ सुचारू चल रहा था। किन्तु 29 जनवरी **मोनी अमावस्या** को लगभग 2 बजे हुए पीड़ादायक हादसे में 30 श्रद्धालुओं की मृत्यु तथा लगभग 80 श्रद्धालुओं के घायल होने की खबर ने हम सभी को हृदय को झकझोर दिया। यद्यपि अल्प समय में ही प्रशासन ने स्थिति पर काबू पा लिया और घायलों को वहां से उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। इस घटना का सभी को दु:ख है। इस घटना के बाद साधु-संतों ने अमृत स्नान स्थगित कर दिया जो दोपहर बाद सादगी से हुआ। इस दिन 8 करोड़ लोग वहां स्नान के लिए आये जो विश्व रेकॉर्ड है।

3 फरवरी, **बसंत पंचमी** को साधु-संतों ने पूरी भव्यता के साथ जुलूस में अमृत स्नान को निकले। हर हर महादेव का उद्घोष था, हाथ में त्रिशुल भाला, तलवार, धर्म ध्वजा, गले में गेंदें के फूलों की माला और शरीर पर भभूत लगाये साधुओं का अपार समूह आराध्य की पालकी लिए अलौकिक, अविस्मरणीय एवं वैभवपूर्ण छटा बिखेर रहा था। इसे देखकर लाखों देश-विदेश के श्रद्धालु भाव विहोर हो रहे थे। त्रिवेणी के संगम तट पर पहुंच कर सभी अखाड़ें के साधु संत अनुशासित होकर सामूहिक अमृत स्नान कर रहे थे। वहीं नागा साधू अपने अस्त्रों के साथ अठखेलियां कर स्नान करते दिखे जो अकल्पनीय था और आध्यात्मिक पुनर्जन्म का प्रतीक था। 12 फरवरी को **माघी पूर्णिमा** का अमृत स्नान भी 2 करोड़ लोगों ने सद्भाव से किया।

अनेक देशों से आये विदेशी श्रद्धालुगणों ने इस आयोजन को अस्मरणीय बताया तथा कहा कि जैसे ही संगम जल में कदम रखा पाया कि किसी अदृश्य शक्ति ने प्रेम और शांति से भर दिया। किसी ने आत्मा की शुद्धि और जीवन के वास्तविक अर्थ समझने का स्थल कहा, तो किसी ने कहा कि यह पानी नहीं बल्की एक दिव्य स्पर्श है, जिसने हमारे भीतर शांति और ऊर्जा का संचार कर दिया। सभी की आंखों में श्रद्धा और उत्साह का नीर था तथा हृदय में अपार खुशी व संतोष की अनुभूति थी। महाकुम्भ का विशाल आयोजन आस्था एवं श्रद्धा का केन्द्र तो था ही बल्की भारतीय संस्कृति, सामाजिक ताने-बाने और प्रबन्धन का अनुपम उदाहरण है। महाकुम्भ भारत की आध्यात्मिक अर्थव्यवस्था, समावेशी विकास और सर्कुलर इकोनोमी का भी एक अतुलनीय अनुष्ठान है। यह विश्व की सबसे बड़ी संरचना और अस्थायी नगरी है जिसमें आने वाले श्रद्धालु स्वव्यवस्थित और अनुशासित हैं। यहां कोई जातिगत भेदभाव नहीं है। अनेक अखाड़ों, स्वयंसेवी एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था करना भी प्रशंसनीय है।

39 दिनों में ही महाकुभ में 55 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है। जबकि 45 दिनों में यह संख्या 60 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है।

15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रात्री को हुई अव्यवस्था से भीड़ की आपाधापी से 18 लोगों की जान जाना तथा 80 लोगों का घायल होना फिर दु:खद रहा, इससे सबक लेना होगा।

महाकुम्भ से सीखने योग्य बातें : महाकुम्भ की योजना जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रशासनिक एवं पुलिस व्यवस्था, CCTV एवं AI से निगरानी, रेल यातायात व्यवस्था, नदी जल स्वच्छ रखने की व्यवस्था, VIP के साथ आम नागरिकों के स्नान की सुचारू व्यवस्था, साधु-सन्तों के लिए समुचित प्रबन्ध एवं अन्य व्यवस्थाएं आदि। साथ ही व्यापक हिन्दू आस्था, धैर्य और संयम से श्रद्धा के साथ करोड़ों लोग स्नान करके गयें, ऐसा विश्व में और कहीं नहीं दिखता है।

ओपन शेल्टर होम, शिवदासपुरा में गणतंत्र दिवस मनाया गया

शिवदासपुरा स्थित दीपामोहन वेल्फेयर ट्रस्ट (रजि) द्वारा संचालित ऑपन शैल्टर होम (चिल्ड्रन) शिवदासपुरा में 26-1-2025 को श्री अमीलाल दीक्षेंद्र पूर्व उप निदेशक, सांख्यिकी, (विकास अधिकारी पं.स. चाकसू) ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अमीलाल दीक्षेंद्र पूर्व उप निदेशक ने बताया कि अनाथ, गरीब जरूरतमन्द बच्चों को नि: शुल्क कोचिंग शिक्षा उपलब्ध कराने से पुण्य मिलता है और विकसित राष्ट्र के निर्माण में भूमिका रहती है।

ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष मोहन लाल कुमावत व सचिव दीपा कुमावत ने बताया कि इस अवसर पर ऑपन शैल्टर होम में निशुल्क शिक्षा कोचिंग प्राप्त कर रहे 55 गरीब एवं जरुरतमन्द बेसहारा तथा अनाथ बालक-बालिकाओ को स्टेशनरी एवं मिठाई वितरण की गई। इस अवसर पर बालक-बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में पूर्व सहायक निदेशक महिला बाल विकास विभाग श्री रामफूल जी मीना, सीनियर सर्जन डेंटल चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान, जयपुर श्री सी. आर. पारीक, पूर्व लेखा अधिकारी श्री मोहन लाल सैनी, पूर्व बैंक मैनेजर एस बी आई बैंक, फागी, श्री रतन कुमार शर्मा, श्रीमती सुषमा शर्मा भारद्वाज, सेफाली अग्रवाल, आशा सामाजिक कार्यकर्ता सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। **- मोहन लाल कुमावत**

डायमंड जुबली स्पेशल जंबूरी तमिलनाडु में स्काउटर पी डी कुमावत हुए सम्मानित

भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय दिल्ली के तत्वावधान में डायमंड जुबली स्पेशल जंबूरी, त्रिची, तमिलनाडु में 28 जनवरी से 03 फरवरी 2025 तक पुनमवाला, त्रिचि तमिलनाडु में आयोजित हुई।

पूरे भारत से 16000 स्काउट गाइड सहित श्रीलंका, सऊदी अरब, मलेशिया, इंग्लैंड, नेपाल देशों के स्काउट गाइडों ने भाग लिया। इस जंबुरी में सब कैम्प नंबर 04 डिप्टी चीफ स्काउटर पी डी कुमावत एलटी स्काउट महात्मा गांधी राजकीय स्कूल, दांता, सीकर ने कैंप चीफ अभय सिंह शेखावत सीनियर एलटी के साथ राष्ट्रीय टीम में अपनी सेवाए दी। महाराष्ट्र, उत्तराखंड, मणिपुर, राज्य व दक्षिण पश्चिम रेल्वे के इंचार्ज रहते हुए जंबूरी आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की जंबूरी समापन के मुख्य अतिथि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन रहे। राष्ट्रीय मुख्यालय की निदेशक दर्शना पावस्कर, जंबूरी संयोजक अमर बी क्षेत्रीय उप निदेशक ने मोमेंटो, प्रमाणपत्र व गिफ्ट प्रदान कर **पी डी कुमावत** को सम्मानित किया'। बधाई।

शहीद मोहनलाल की प्रतिमा का अनावरण

दांतारामगढ़ कस्बा के थाना बस स्टेण्ड पर शहीद सैनिक मोहनलाल कुमावत की प्रतिमा का अनावरण 7 फरवरी, 2025 को राजस्थान सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, विधायक वीरेन्द्र सिंह तथा भाजपा नेता गजानन्द कुमावत द्वारा किया गया। इस अवसर पर शहीद के पिता रामदेव कुमावत, माता दाखा देवी व परिवार के सदस्यों का स्वागत किया गया। समारोह का आयोजन रामकिशोर दास महाराज के सानिध्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि उपप्रधान शीला कुमावत, सरपंच

प्रभाती देवी, बसंत कुमावत व सुनील राणा थे। समारोह की अध्यक्षता गजानन्द कुमावत ने की।

इस अवसर पर श्री प्रेमसिंह बाजौर ने कहा कि सैनिक मोहनलाल कुमावत की प्रतिमा आने वाली पीढ़ी को देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। गजानन्द कुमावत ने कहा कि प्रतिमा से युवाओं में देशप्रेम की भावना जागृत होगी। पूर्व उपप्रधान बसंत कुमावत ने सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन **पी.डी. कुमावत** ने किया।

सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर ने उठाये ज्वलंत मुद्दे

श्री डूंगरराम गेदर, सूरतगढ़ से विधायक ने जनहित के अनेक मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर उल्लेखनीय कार्य किया है। उठाये गये मुद्दे इस प्रकार हैं-

- सूरतगढ़ के आबादी क्षेत्र में निर्माणाधीन बायो एनर्जी गैस प्लांट को रोका जाकर अनुमति व पर्यावरणीय जांच करे व इसे बाहर लगाये।
- छपड़ा थर्मल पॉवर प्लांट को NTPC को ज्वाइंट वेंचर के आधार पर हस्तान्तरित करने का विरोध किया।
- सरकारी स्कूलों एवं अस्पतालों को PPP मॉडल पर निजी हाथों में न सौंपे।
- किसानों के लिए बिजली आपूर्ति, सिंचाई का पानी की कमी, यूरिया की कालाबाजारी और फसल बीमा योजना में भ्रष्टाचार पर सवाल उठाया।
- सूरतगढ़ में 9 करोड़ रुपए के मिनी बैंक घोटाले में दोषियों पर कार्यवाही की मांग।
- इंदिरा गांधी नहर परियोजना से किसानों को 3,000 क्यूसेक पानी देकर सूखती फसलें बचाने की मांग की है।

बेटे की शादी पर दान

यद्यपि यह न्यूज गौतम अडानी के बेटे जीत की दिवा से शादी की है, जिसमें गौतम अडानी ने इस अवसर पर सामाजिक कार्यों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये दान देने की घोषणा की है। अडानी के दान की यह राशि स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर खर्च होगी। किन्तु इसमें यह संदेश छिपा है कि हमें शुभ अवसरों पर दान के लिए कुछ राशि अवश्य देनी चाहिये, चाहे समारोह में से कुछ राशि बचा ली जावे।

हमारे कुमावत समाज के लोग ऐसी पहल करें तो शिक्षा, चिकित्सा, सामुदायिक बहुउपयोगी भवन, सामाजिक प्रतिभाओं के उत्थान आदि कार्यों को करने में समर्थ हो सकते हैं। समाज की विभिन्न संस्थाएं इस दिशा में प्रस्ताव पारित करें और जन्मोत्सव, शादी तथा बुजुर्गों की स्मृति में दान देने का संकल्प लेने को कहे।

रवि कुमार कुमावत प्रशासनिक अधिकारी बने

जयपुर। रवि कुमार कुमावत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, उपखण्ड सांगानेर में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। विभागीय पदौन्नति समिति की अभिशंषा पर श्री कुमावत को प्रशासनिक अधिकारी के पद पदौन्नति दी जाकर इनका पदस्थापन 2, सिविल लाईन, जल भवन, जयपुर में किया गया। पदोन्नति पर सहायक अभियन्ता ने साफा एंव माला पहनाकर स्वागत किया व कार्यालय में मिठाईयां बाटी। रवि कुमार कुमावत, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में सम्पादक मण्डल सदस्य है। प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति पर पत्रिका परिवार की ओर से श्री रवि कुमार कुमावत को हार्दिक शुभकामनाएं।

मालवीय नगर समाज भवन जयपुर में गणतंत्र दिवस मनाया गया

26 जनवरी, 2025 को कुमावत समाज भवन, मालवीय नगर, जयपुर में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया जिसमें श्री त्रिलोकचन्द मण्डावरा सेवानिवृत्त सहायक अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल मुख्य अतिथि ने प्रात: 8.30 बजे झण्डारोहण किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि तथा पधारे हुए अन्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

धवल कुमावत को अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक

मंदसौर के ताइक्वांडो के खिलाड़ी धवल कुमावत पुत्र श्री विनय कुमावत ने इंडो-नेपाल क्युरूशुकी (कराटे) चैम्पियनशिप में अपने वर्ग में शानदार प्रदर्शन करके खेल क्षमता का परिचय दिया तथा स्वर्ण पदक जीता। धवल कुमावत 4 अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता खेल चुके हैं तथा 2 गोल्ड एवं 1 ब्रांज मेडल जीत चुके हैं। इन्होंने 7 बार कराटे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया तथा 3 स्वर्ण, 1 रजत पदक जीता तथा 3 ताइक्वांडो (कराटे) में 3 स्वर्ण पदक जीते हैं।

हर्ष नागोरा एवं देव नागोरा ने जीते स्वर्ण

उज्जैन (म.प्र.) के हर्ष नागोरा ने नेपाल में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय जम्प रोप प्रतियोगिता में 2 स्वर्ण पदक जीते हैं। देव नागोरा ने नेशनल स्केटिंग चैम्पियनशिप, अहमदाबाद में स्वर्ण पदक जीता है।

इन दोनों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

बिना दहेज के रचाई शादी, शगुन के रूप मे एक रुपया व नारियल लेकर दूल्हे ने की मिसाल पेश

दूल्हे के इस फैसले की लोगों ने जमकर तारीफ करते हुए अनुकरणीय पहल बताई

हाल ही में दो स्थानों पर कुमावत समाज में दूल्हे द्वारा बिना दहेज के केवल 1 रुपए एवं नारियल लेकर शादी की खबर प्रशंसनीय है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने ऐसी खबरों का पूर्व में प्रकाशन किया है। ये समाचार समाज को एक अच्छा संदेश दे रहे हैं। जब दूल्हा या उसका परिवार सक्षम है तो फिर उसे दहेज के बारे में बिल्कुल नहीं सोचना चाहिए तथा पहल करके वधू पक्ष को दहेज न देने पर सहमत कराना समाज सुधार की दिशा में सराहनीय पहल होगी। समाज में आ रहे ऐसे बदलाव को लेकर लोगों ने अनुकरणीय पहल बताते हुए दहेज जैसी कुप्रथा को बंद करने की बात कहते हुए बिना दहेज के हुई शादी की सराहना की।

(1) थांवला कस्बे चंद्रप्रकाश कुमावत का विवाह सिलोरा निवासी गोपाल राम कुदाल-मीरादेवी की बेटी सुरभि कुमावत के साथ 2 फरवरी को धूमधाम से सम्पन्न हुआ। तिलक के दौरान दुल्हन के परिवार ने दहेज के रूप में रूपये देने चाहे, लेकिन दूल्हे और उसके परिजनों ने उक्त राशि लेने से साफ मना कर दिया। दूल्हे पक्ष का कहना था कि कन्या से बड़ा कोई दहेज नहीं है। इस कारण वे दहेज नहीं लेना चाहते।

(2) हेमन्त का विवाह नावां निवासी पूनम पुत्री मनमोहन कुमावत के साथ सम्पन्न हुआ जिसमें दहेज न लेकर 1 रुपया व नारीयल लेकर शादी की तथा समाज में एक अच्छी मिसाल पेश की है। हेमन्त कुमावत वर्तमान में पीडब्ल्यूडी विभाग में जेईएन है। विवाह समारोह के दौरान राज्यमंत्री विजयसिंह चौधरी एवं अन्य जनप्रतिनिधि सहित कुमावत समाज अध्यक्ष बाबूलाल कुमावत, सरपंच शान्ति देवी, सरपंच गोपाल लाल, राधेश्याम मारोठिया, अशोक कुमार, भेरूराम, हुक्मीचन्द, जितेन्द्र, हनुमान राम, चन्द्रमोहन, नवीन, राजेन्द्र कुमार, जिला परिषद सदस्य रामदयाल कुमावत, नगर निगम सहायक अभियन्ता राजेन्द्र कुमावत, कनिष्ठ अभियंता निखिल, पीडब्ल्यूडी जेईएन कुलदीप सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

नेपाल के मंदिर में चित्तौड़गढ़ के वास्तुकार ने बनाई डिजाइन

नेपाल के एक गांव में बनने वाले गणेश मंदिर में नागर शैली के साथ राजस्थान और नेपाल की मूल वास्तुकला की झलक मिलेगी। इसकी डिजाइन चित्तौड़गढ़ के वास्तुकार **डॉ. चंद्रशेखर चंगेरिया** ने बनाई है।

प्रस्तावित गणेश मंदिर

नेपाल के झापा जिले के गौरादह गांव निवासी दीपक गिरी और दिलीप गिरी अपने पिता गणेश बहादुर भारती की पुण्य स्मृति में भगवान गणेश का मंदिर बनवा रहे हैं। इसके लिए नक्शा, थ्री डी मॉडल, विस्तृत विवरण और आंतरिक कार्य चंगेरिया की टीम को सौंपा गया। जो देश-विदेश में कई मंदिरों की डिजाइन बना चुके हैं। नगर पालिका से रिटायर सहायक टाउन प्लानर नंदकिशोर चंगेरिया के अनुसार 15 हजार वर्गफीट भूमि पर 27 गुणा 63 फीट के इस मंदिर पर करीब 1 करोड़ की लागत आएगी। मंदिर में गर्भगृह 12 फीट व्यास का होगा। सभा मंडप 25 गुणा 25 फीट का और 3 अर्ध मंडप होंगे। कुमावत समाज का यह परिवार पांच पीढ़ियों से भवन निर्माण व वास्तु कार्य से जुड़ा है। चंद्रशेखर के पिता कवि अमृत वाणी रचित कुंडली छंद में वास्तु आधारित पुस्तक नेपाल में प्रस्तावित निर्माण स्थल पर अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित कुबेर सुवेदी को भेंट की गई।

बिना सत्यापन किरायेदार रखने पर गिरफ्तारी

जयपुर पुलिस ने बिना पुलिस सत्यापन के किरायेदार रखने पर 11 मकान मालिकों के खिलाफ केस दर्ज करके 4 लोग गिरफ्तार किए हैं। इन्होंने आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों को किराये पर रखा हुआ था। ऑपरेशन सेफ सिटी के तहत यह अभियान चलाया गया था।

मकान मालिक अपनी सम्पत्ति किराये पर देने से पहले किरायेदार का पुलिस सत्यापन अवश्य करा लेवें। इसके लिए RJCOP CITIZEN App, जयपुर पुलिस का NAZAR App तथा राजस्थान पुलिस की वेबसाइट https://www.police.rajasthan.gov.in/old/verificationform.aspx है।

रोशन कुमार को कान्स्टेबल ऑफ मंथ अवार्ड

जनवरी 2025 में साइबर अपराधियों के विरुद्ध जयपुर पुलिस ऑपरेशन सील्ड चलाया, जिसके तहत रोशन कुमार उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ द्वारा कांस्टेबल ऑफ दी मंथ अवार्ड दिया गया। साइबर सैल में तैनात रोशन कुमार ने प्रतिबिम्ब पोर्टल के डेटा के विश्लेषण करके 60 ठगों को पकड़वाया था।

इनसे बरामद मोबाइल्स से 248 बैंक खातों की जांच करके 100 करोड़ रुपये से अधिक के ट्रांजेक्शन हुए। साइबर ठगों के लिए फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने वाला गैंग भी पकड़ी गई। इनके विरुद्ध 11 केस दर्ज किये जा सके।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से रोशन कुमार को यह अवार्ड मिलने पर बधाई।

मन शुद्ध तो ज्ञान स्वतः प्रकट

मन, वचन और काया से किसी को भी पीड़ा न देना ही यज्ञ है जो बिना कारण ही दिल जलाता है, वह आत्मघात कर रहा है। सदा सर्वदा प्रसन्न रहना भी यज्ञ ही है, सत्कर्म के बिना चित्त शुद्धि नहीं होती और चित्त शुद्धि के बिना ज्ञान नहीं टिकता, सत्कर्म से सभी इन्द्रियाँ शुद्ध होगीं। जिसका मन कलुषित है, उसे परमात्मा का अनुभव नहीं हो सकता।

सर्वकर्माणि मनसा संन्यस्यास्ते सुखं वशी।
नवद्वारे पुरे देही नैव कुर्वन्न क्षकारयन्।।

सभी कर्मों में मन द्वारा संन्यास अथवा सांख्ययोग का पालन करने वाला पुरुष नवद्वारों वाले (नौ द्वारों वाले) शरीर रूपी नगर में बिना कर्म किये व करवाए सुखपूर्वक अथवा आनन्द से निवास करता है ।

मानव शरीर में कौन से नौ द्वार होते हैं ? उत्तर है दो आँखें, दो कान, दो नासिका, एक मुँह, एक मूत्रेन्द्रिय और एक गुदा। जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों को वश में रखता है, वह नौ द्वारों वाले शरीर में रहकर सभी कर्मों का त्याग कर देता है, वह व्यक्ति नित्य, नैमित्तिक, काम्य, और निषिद्ध सभी कर्मों को मन से छोड़ देता है, वह कर्मों को कर्मादि में अकर्म दर्शन रूप विवेक बुद्धि के द्वारा त्याग देता है और सुख पूर्वक स्थित हो जाता है, जो देहधारी प्राणी आत्मसंयमी और विरक्त हैं, वे नौ द्वारों वाले नगर में सुख पूर्वक निवास करते हैं, और इस विचार से मुक्त रहते हैं कि वे किसी भी वस्तु के कर्ता या कारण हैं।

मानव शरीर एक गगरी है इसमें नौ छिद्र हैं यदि गगरी छिद्र वाली है तो उसे कभी भरा नहीं जा सकता, प्रत्येक छिद्र से ज्ञान बह जाता है, ज्ञान प्राप्त होना कठिन है, ज्ञान आता तो है किन्तु वह रह नहीं पाता। विकार वासना के वेग में वह कई बार बह जाता है। वैसे तो सबकी आत्मा ज्ञानमय है। अतः अज्ञानी तो कोई नहीं है किन्तु ज्ञान को सतत् बनाए रखने हेतु इन्द्रियों के द्वारा बही जा रही बुद्धि शक्ति को रोकना है ज्ञानी इन्द्रियों को विषय की ओर नहीं जाने देता जबकि वैष्णव इन्द्रियों को प्रभु के मार्ग की ओर मोड़ता है।

ज्ञान टिक नहीं पाता, क्योंकि मनुष्य का जीवन विलासी हो गया है। सारा का सारा ज्ञान पुस्तक में ही पड़ा रहता है, मस्तक में जाता ही नहीं। जो पुस्तकों के पीछे दौड़े वह विद्वान और जो भक्ति पूर्वक परमात्मा के पीछे दौड़े वह सन्त है, विद्वान शास्त्र के पीछे दौड़ता है। जबकि शास्त्र संत के पीछे दौड़ते हैं, शास्त्र पढ़कर जो बोले वह विद्वान, प्रभु को प्रसन्न करके उसी में पागल होकर जो बोलता है वह सन्त।

गीता में भगवान ने अर्जुन से कहा है, अर्जुन ! ज्ञान तो तुझी में है, हृदय में सात्विक भाव जाग्रत हो, मन शुद्ध हो जाय तो हृदय में ज्ञान अपने आप ही प्रकट होता है।

ज्ञान का शत्रु है हिरण्याक्ष अर्थात् लोभ, ज्ञान को बुद्धि में स्थिर रखना है तो हिरण्याक्ष रुपी लोभ को मारना होगा। अपने मन से पूछो कि मुझे जो सुख सम्पत्ति मिली है , उसके लिए मैं पात्र भी हूँ या नहीं, उत्तर नकारात्मक ही होगा, क्षलोभ को संतोष से मारना चाहिए, ज्यादा पाने की इच्छा नहीं करना चाहिए। पाप इसलिए होता है कि मनुष्य मानता है कि प्रभू ने मुझे जो दिया है वह बहुत कम है। पाप नहीं होगा तो इन्द्रियों की शुद्धि होगी और तभी इन्द्रियों में ज्ञान-भक्ति टिक पायेगी। यज्ञादि सत्कर्म से चित्त शुद्धि होगी तभी ब्रह्मज्ञान बुद्धि में टिक पायेगा।

स्वान्तः सुखाय।

-संकलन, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार
निवेदक रामप्रकाश मारवाल

सामुहिक विवाह

1 मार्च 2025 को 24 जोड़ों का 21वां सामुहिक विवाह सम्मेलन। कुमावत समाज सामुहिक विवाह विकास समिति, भंदे बालाजी उगरियावास, जयपुर।

6 अप्रेल 2025 रामनवमी : श्री क्षत्रिय कुमावत समाज सामुहिक विवाह एवं विकास समिति, त्रिवेणी धाम, शाहपुरा।

6 अप्रेल 2025 रामनवमी : श्री कुमावत समाज सुधार व सेवा समिति नावां का 17वां सामुहिक विवाह सम्मेलन।

30 अप्रेल 2025 अक्षय तृतीया : मेवाड़ क्षत्रिय कुमावत पंचम आदर्श तुलसी एवं सामुहिक विवाह सम्मेलन (द्वारा : कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान, चित्तौड़गढ़) आयोजन स्थल : श्री चारभुजा कुमावत समाज छात्रावास, सेक्टर-5 गांधी नगर, चित्तौड़गढ़।

8 मई, 2025 सामूहिक विवाह श्री कूबाजी महाराज मंदिर प्रांगण, जैतारण रोड।

अशोक कुमावत हिंदू वाहिनी के जयपुर जिलाध्यक्ष

झुंझुनूं जिले के काजड़ा गांव निवासी अशोक कुमावत को हिंदू युवा वाहिनी जयपुर जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। प्रदेश संरक्षक केशव अरोड़ा ने बताया कि प्रखर वक्ता, कवि और राष्ट्रवादी व्यक्तित्व अशोक कुमावत काफी समय से कर देश, धर्म और समाज के लिए काम कर रहे हैं। बधाई।

डॉ. सुनील कुमावत का एम.डी. में चयन

डॉ. सुनील कुमावत का एम.डी.-टी.बी. एण्ड चेस्ट के लिए RNT Medical Collage उदयपुर में चयन होने पर हार्दिक बधाई।

20 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय खुशी दिवस पर विशेष

ढूंढिये वजह मुस्कुराने की-3

कहते हें कि मुस्कुराता हुआ चेहरा दुनिया का सबसे खूबसूरत चेहरा होता है या यूँ कहें कि हँसते-मुस्कुराते चेहरे का नूर अलग ही होता है। इससे जीने के लिए नवीन ऊर्जा मिलती है और जिंदगी की मुश्किले आसान हो जाती हैं।

आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में काम के बोझ के टेंशन से लोग मुस्कुराना ही भूल गये हैं, जबकि हंसना बहुत जरूरी है। मुस्कराने से खुशी मिलती है और हम तनाव से बचे रहते हैं। जब तनाव नहीं होगा तो हम अपना काम ठीक से कर पायेंगे। खुश रहना व्यक्ति का मूलभूत अधिकार है, इसका महत्व समझना ही होगा। चिंता, तनाव, अवसाद के कारण मानसिक परेशानियां आती हैं तथा जीवन जीने का जरूरी तत्व 'खुशी' उनसे कोसों दूर चली जाती है।

दलाईलामा का कहना है कि ''हमारे जीवन का उद्देश्य खुश रहना है।'' वहीं **गेब्रियल गार्सियामार्केज** ने कहा है कि ''कोई भी दवा उस चीज को ठीक नहीं कर सकती है, जिसे खुशी नहीं कर सकती।'' खुशी के महत्व को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) ने भूटान के राजा के सुझाव पर 20 मार्च को International day of Happiness मनाने का प्रस्ताव पारित किया है तथा 2013 से इसे मनाना प्रारम्भ हुआ। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि दुनिया में संधारणीय विकास, गरीबी उन्मूलन तथा आर्थिक विकास में समानता, समावेशता और संकुलन का नजरिया शामिल करने की जरूरत है। भूटान राष्ट्रीय आय से अधिक राष्ट्रीय आनन्द एवं खुशी को महत्व देता रहा है।

खुशी के लिए सबसे जरूरी है स्वस्थ व निरोगी काया। इसके बाद क्रमश: धन-सम्पत्ति, अच्छा पति या पत्नी होना, बच्चे एवं स्वस्थ बुजुर्ग हो, रहने को अच्छा घर हो, अच्छे मित्र का होना तथा स्वच्छ पर्यावरण हो। साथ ही हमारा प्रयास हो कि हम दूसरों के लिए अच्छा करें, हमारी एक छोटी सी कोशिश किसी के चेहरे पर बड़ी मुस्कान ला सकती है। हमें खुश रहना है तो कुछ काम भी छोड़ देने चाहिये जैसे-

- किसी से अपनी तुलना न करें। आपके पास जो है उससे संतुष्ट रहें।
- दूसरों की आलोचना नहीं करें और सभी के साथ प्रेम व खुशी से रहें।
- चिंता न करें, यह आपका समय व स्वास्थ्य खराब करती है। अतीत की बातें और भविष्य की आशंकाएं करना छोड़ना ही उचित है।

जिंदगी में यह सोचें कि दुनिया में मुझसे कितने लोग खुश हैं तथा यह न सोचो कि मैं कितना खुश हूं। अपने हौसलों की उड़ान पर कभी शक न करें, आप बहुत कुछ कर सकते हैं। इसलिए मुस्कुराने की कोई भी वजह बेजा न जाने दें।

- अमिता कुमावत

कैलाश मानसरोवर

कैलाश मानसरोवर पर्वत श्रेणियां भारत के कश्मीर से भूटान तक विस्तृत है। इसका अधिकांश हिस्सा तिब्बत में है, जिस पर चीन का अधिकार है। 'कैलाश' शिखर विशाल शिवलिंग की आकृति जैसा दिखता है। पौराणिक मान्यता है कि यहाँ भगवान शिव का निवास है। हिन्दु धर्मावलम्बियों की आस्था अनुसार यह पवित्र स्थल है और वे जीवन में एक बार यहां की यात्रा करना चाहते हैं। कैलाश मानसरोवर समुद्र तल से 21770 फिट ऊँचा पर्वत शिखर है। सिक्कम के नाथूला से इसकी दूरी 802 किमी. एवं काठमांडू से लगभग 500 किमी है, वहीं उत्तराखण्ड के लिपूलेख से मात्र 65 किमी. है।

ऋग्वेद में 10वें मंडल के 121वें सूक्त में कैलाश पर्वत का वर्णन हिमाचल के पवित्र शिखर के रूप में है। बौद्यग्रन्थ इस स्थल को ब्रह्माण्ड का केन्द्र बिन्दु बताते हैं वहीं जन मान्यताओं के अनुसार भगवान ऋषभदेव का निर्वाण भी यहां हुआ था।

कैलाश पर्वत की खड़ी चढ़ाई है। इस पर आज तक कोई चढ़ नहीं सका है। इसकी परिक्रमा 52 किमी. की है। भारत ने 3 अक्टूबर 2024 से यात्रियों को उत्तराखण्ड के पिथोरागढ़ से कैलाश पर्वत के दर्शन करने की सुविधा प्रदान की है।

यात्रा : इस स्थल की यात्रा जून से सितम्बर माह के बीच की जा सकती है। 18 से 70 वर्ष के यात्री ही इसके लिए पात्र हैं तथा मेडिकल सर्टिफिकेट जरूरी है। इसके लिए 3 दिवस दिल्ली में ट्रेनिंग लेनी होती है।

यात्रा समय व खर्च : सिक्कम के नाथूला दर्रे से 21 दिन तथा लगभग 2.75 लाख रुपए खर्चा प्रति व्यक्ति तथा उत्तराखण्ड के लिपुलेख दर्रे से 24 दिन तथा लगभग 2 लाख रुपये का प्रतिव्यक्ति खर्चा होना सम्भावित है।

आवश्यक दस्तावेज : इसके लिए आवश्यक दस्तावेजों में पासपोर्ट, वीजा, एड्रस प्रूफ, पासपोर्ट साईज फोटो तथा मेडिकल सर्टिफिकेट चाहिये।

शुगर, ब्लड प्रेशर एवं हृदय रोग के मरीज़ों के लिए व्यायाम

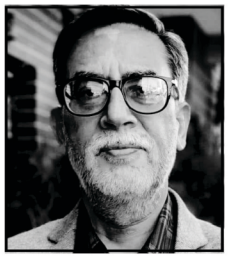

शुगर, ब्लड प्रेशर एवं हृदय रोग के मरीजों के लिए एक योजनाबद्ध एक्सरसाइज प्रोग्राम की बहुत उपयोगिता है ।उसे कैसे अंजाम दिया जाए तथा उसके लाभ निम्नानुसार हैं:-

उपयोगिता :

शुगर, ब्लड प्रेशर एवं हृदय रोग के मरीजों के लिए एक योजनाबद्ध एक्सरसाइज प्रोग्राम बहुत उपयोगी है। नियमित एक्सरसाइज करने से इन बीमारियों को नियंत्रित करने और उनके लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है।

कैसे अंजाम दिया जाए:

- डॉक्टर से सलाह: एक्सरसाइज प्रोग्राम शुरू करने से पहले हमेशा अपने डॉक्टर से सलाह लें।
- धीरे-धीरे शुरुआत: धीरे-धीरे एक्सरसाइज शुरू करें और धीरे-धीरे इसकी अवधि और तीव्रता बढ़ाएं।
- नियमितता: नियमित रूप से एक्सरसाइज करें, जैसे कि सप्ताह में कम से कम 5 दिन।
- व्यायाम के प्रकार: आप विभिन्न प्रकार के व्यायाम कर सकते हैं, जैसे कि चलना, दौड़ना, तैराकी, साइकिल चलाना, योग आदि।
- अपनी क्षमता के अनुसार : अपनी क्षमता के अनुसार एक्सरसाइज करें।
- सावधानी: एक्सरसाइज करते समय सावधानी बरतें और चोट से बचें।

लाभ :

- शुगर नियंत्रण: एक्सरसाइज करने से ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।
- ब्लड प्रेशर नियंत्रण: एक्सरसाइज करने से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।
- हृदय स्वास्थ्य: एक्सरसाइज करने से हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है और हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- वजन नियंत्रण: एक्सरसाइज करने से वजन को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।
- तनाव कम: एक्सरसाइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।
- नींद में सुधार: एक्सरसाइज करने से नींद में सुधार होता है।

कुछ अतिरिक्त सुझाव:

- एक्सरसाइज करने से पहले हमेशा वार्म-अप करें।
- एक्सरसाइज करने के बाद हमेशा कूल-डाउन करें।
- पर्याप्त पानी पिएं। ■ स्वस्थ भोजन करें। ■पर्याप्त नींद लें।

शुरुआत करने के पहले लिए हमेशा अपने डॉक्टर से सलाह लें।

-डॉ. पी.एम. कुमावत, एम.डी. फिजिशियन एवं कार्डियोलॉजिस्ट

रंगों का त्यौहार होली

रंग, गुलाल व चंग का अद्‌भुत सामंजस्य रखने वाला त्यौहार **होली** हमारी आस्था एवं धर्म का प्रतीक है और प्रमुख पर्व है। सबकी पहचान चाहे वह धर्म हो, जाति हो अथवा रंग हो, को मिटाकर एकता के सूत्र में पिरोने वाला इकलौता त्यौहार है जिसे हम सब बड़े चाव से मनाते हैं। इस वर्ष यह 13 मार्च को होलिका दहन एवं 14 मार्च को धुलंडी के रूप में मनाया जाएगा।

वर्तमान परिदृश्य में इस त्यौहार की महत्ता और भी बढ़ जाती है, क्योंकि परिवार को जोड़ने, भाईचारे और प्रेम के प्रतीक के रूप में यह त्यौहार सबसे अनूठा है। **पौराणिक मान्यता** के अनुसार अहंकारी राजा हिरणाकश्यप भगवान को नहीं मानता था किन्तु उसका पुत्र प्रहलाद विष्णु भगवान का अनन्य भक्त था। अत: राजा ने अपनी बहन के साथ षड़यंत्र रचकर प्रहलाद को अग्नि में जलाने की योजना बनाई क्योंकि बहन को वरदान था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती किन्तु वह अग्नि में जलकर स्वयं स्वाह हो गई तथा प्रहलाद सुरक्षित बच गये तब से बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में यह त्यौहार मनाया जाता है।

वहीं राधाकृष्ण के प्रेम के प्रतीक रूप में मथुरा और वृंदावन में इसे खास तौर पर मनाया जाता है भारत में अलग-अलग जगह इसे मनाने के तरीके भिन्न-भिन्न हैं। ब्रज में लट्‌ठमार होली, पंजाब में होला मोहल्ला, बंगाल में ढोल पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। प्रथम दिन होलिका दहन और अगले दिन धुलंडी पर अबीर, रंग, गुलाल लगाकर होली खेली जाती है।

आजकल प्राकृतिक रंगों को ज्यादा महत्व दिया जाता है। क्योंकि अनुशासनहीनता के चलते लोग कैमिकल युक्त रंगों का प्रयोग करते हैं जो नुकसानदायक हैं।

होलिका दहन पर गेहूं एवं चने की फसल तैयार हो जाती है और इसे सर्वप्रथम होली की पवित्र अग्नि में भूना जाता है। गोबर के खिलौने आदि बनाकर होली का पूजन भी किया जाता है।

होलिका दहन के दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत: धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन नाम से भी जानते हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जाकर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है।

- भारती तोंदवाल

धनवान बनने का सूत्र

व्यक्ति किस प्रकार पैसा कमाता है, खर्च करता है और बचाता है- यह देखकर उसकी 'बुद्धि' की परीक्षा की जा सकती है। यह ठीक है कि धन संग्रह के लिए ही नहीं, पर यह भी ठीक है कि पैसों को तुच्छ न समझना चाहिए। कहते हैं कि खाली बोरा सीधा खड़ा नहीं रह सकता। जब तक उसका पेट न भरा होगा, तब तक वह बार-बार खड़ा करने पर भी अपने पैरों पर ही बैठ जाएगा। समझदारी, उदारता, दूरदर्शिता जैसे महत्त्वपूर्ण गुण ईमानदारी से संबंध रखते हैं।

दरिद्र मनुष्य कभी-कभी विवश होकर भी अन्याय, अधर्म एवं अकरणीय कामों को करने में प्रवृत्त होते देखे जाते हैं। चतुर कौन है? इस प्रश्न के उत्तर में एक विद्वान ने कहा है कि ''जो पैसे को उचित रीति से कमाना, खर्च करना और बचाना जानता है, वहीं बुद्धिमान है।''

सुसंपदावान बनने के लिए 'मितव्ययता' की बड़ी जरूरत है। इसके लिए किसी बड़ी योग्यता की जरूरत नहीं है। ''अत्यंत आवश्यक वस्तुओं को उचित मात्रा में खरीदना'' इस सिद्धांत को ध्यान में रखकर कोई भी मनुष्य ठीक प्रकार से गृह प्रबंध कर सकता है, किंतु इसका अर्थ कंजूसी नहीं। कल के लिए जमा रखने की इच्छा से जो आज भूखा मरता है, वह मूर्ख है। मितव्ययी मनुष्य धन को ईश्वर समझकर पूजा नहीं करता, वरन् उसको सावधानी से शस्त्र की भाँति वहीं उपयोग करता है, जहाँ उसके करने की जरूरत है। आप कंजूस नहीं, किफायतदार बनिए, क्योंकि किफायतदारी दूरदर्शिता की पुत्री, संयम की बहन और स्वतंत्रता की माता है। यह हमारे चरित्र, आनंद और प्रतिष्ठा की रक्षा करती है।

कोई गृहस्थ यदि सुखपूर्वक अपना जीवन बिताना चाहता है, तो उसे खर्च करते समय बहुत सावधानी से काम लेना चाहिए। हर आदमी का धर्म है कि अपनी आमदनी पर गुजर करना चाहिए, जो ऐसा नहीं करता, वह भीख माँगेगा, किसी पर भार बनेगा या बेईमानी करेगा। हम ऐसे कई आदमियों को जानते हैं, जिन्होंने पुरानी संचित कमाई को नाच, तमाशे में अथवा देखा देखी कर दिखावे में फूंक दिया है, तो उसे सिर धुन-धुनकर पछताते रहना पड़ेगा। इन चटोरी आदत के व्यक्तियों को वासनाएँ तृप्त करने के लिए जब अपने पास धन नहीं दिखाई देता, तो ऐसे कार्य करने को उद्यत हो जाते हैं, जिनसे उनके लोक और परलोक दोनों बिगड़ जाते हैं। यदि आरंभ से ही उन्होंने फिजूलखर्ची के दुर्गुण को न अपनाया होता, तो पतन के गहरे गर्त में गिरने के लिए उन्हें विवश न होना पड़ता। अतः सबसे निवेदन है कि किफायतदार बने।

संकलन : **मेघना कुमावत,** उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा भाजपा, सिविल लाइंस मंडल, जयपुर

एकाकी परिवार से गिफ्ट में तलाक

दिसम्बर, 2025 में एक नाटक 'द लास्ट गिफ्ट' का मंचन जयपुर के रविन्द्र मंच पर हुआ। इसका कथानक था आज की एकाकी परिवार व्यवस्था का दुष्प्रभाव और इससे पति-पत्नी के बीच भरोसे की कमी। इससे न केवल उनके बीच गलत फहमी पैदा होती है बल्की रिश्तों में कड़वाहट इतनी बढ़ जाती है कि वे एक-दूसरे के साथ नहीं रहना चाहते व आपसी भरोसा पूरी तरह खत्म हो जाता है और तलाक की नौबत आ जाती है और एक दिन तलाक हो ही जाता है।

यह तो नाटक का मंचन था पर यह नाटक आज एकाकी परिवार को प्राथमिकता देने वालों को यह संदेश दे रहा है कि रुक जायें तथा संयुक्त परिवार में रहें ताकी पति पत्नी के रिश्ते बचे रह सकें।

पाश्चात्य संस्कृति, ग्रामीण स्वायत्तता में कमी के बढ़ते शहरीकरण ने एकाकी परिवार की ओर हम भारतीयों को धकेल दिया है। हमने एकाकी परिवार की कमियों की ओर और ध्यान नहीं दिया। नौकरीपेशा हो या व्यवसायी एक बार शहर में आ गये तो वापस गांव लौटना नहीं चहते। वे संयुक्त परिवार की जिम्मेदारियां उठाने से बचना चाहते हैं। इससे एक ओर वे गांव के अपने ही परिवार से कट जाते हैं वहीं एकाकी परिवार के दोषों से बच नहीं पाते। इससे पति-पत्नी के बीच रिश्तों में आई दरार को पाटने के लिए उनके परिवार के लोग साथ नहीं रहते और अन्ततः विवाह विच्छेद की नौबत आ ही जाती है।

जहां तक परिवार के महत्व की बात है तो कोरोना काल में लोगों ने जान लिया। सैंकड़ों मील से लोग अपने परिवार के पास गांव आ गये और गांव में परिवार ने जगह की कमी होने पर भी जैसे-तैसे रखा, क्या इसे भुलाया जा सकता है? इसलिए एकाकी परिवार की बजाए संयुक्त परिवार में रहने का प्रयास करें। यदि किसी कारण ऐसा सम्भव न हो तो परिवार से निरन्तर सम्पर्क बनाकर रिश्ते मजबूत रखें। जब भी परिवार के सदस्यों में मनमुटाव हो तो बेझिझक परिवार वालों को बताएं जिससे समझाईश हो सके व रिश्तों में कड़वाहट न आ पाये।

याद रखिए हम सब '**एक हैं तो नेक हैं।**' जीवन के रिश्ते तो धागे हैं जो हमें मजबूत बनाते हैं, हमारे अस्तित्व को रंगों से भरते हैं और कठिनाइयों से उबारते हैं।

प्री वेडिंग शूट : एक घातक बीमारी

हर कठिनाई, हर बुराई से हमें निरंतर बचाती है, हमारी मर्यादा...।।
जीवन को सरल बनाकर संयमित होकर हमें जीना सिखाती है, हमारी मर्यादा...।।

विवाह हमारे शास्त्रों में वर्णित सोलह संस्कार में से सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र संस्कार हैं। ब्रह्मचर्य आश्रम के उपरांत गृहस्थ आश्रम का प्रवेश द्वार **विवाह** ही है। यह एक धार्मिक अनुष्ठान है। जिसमें सभी देवी-देवताओं का आह्वान किया जाता है और अग्नि को साक्षी मान कर दो प्राणी जीवन में एक ही राह पर साथ चलने का संकल्प लेते हैं। अगर कभी हम बारीकी से देखे तो विवाह के विभिन्न रीति रिवाजों में कितने सुन्दर तरीके से वर-वधू को नव जीवन के लिए तैयार किया जाता है। चाहे वो सप्तपदी हो या दूल्हे के द्वारा फेरों में अंगूठे से पत्थर को हटाना सभी रिवाजों में कुछ ना कुछ गूढ़ अर्थ छिपा ही होता है। यहाँ तक कि विवाह उपरांत वधू जब सुसराल में पहली बार प्रवेश करती है तो उसके द्वारा जो सात थाल बिना आवाज़ किए उठाए जाते हैं, उसमें भी भावी जीवन के लिए शांति और क्लेश रहित जीवन की कामना छुपी होती है। कहने का तात्पर्य यह है कि विवाह की प्रत्येक परम्परा और रिवाज का कोई न कोई धार्मिक, व्यक्तिगत या सामाजिक महत्व होता ही है। परतुं अब विवाह जैसे इस पवित्र संस्कार में भी बाजारवादी ताकतों ने अपना ज़हर फैलाना शुरू कर दिया है।

आर्थिक सुधारों के उपरांत भारत का मध्यम वर्ग जैसे-जैसे समृद्धिशाली होता गया, धन को व्यय करने के नए नए तरीके खोजने लगा। शादी-ब्याह अपने धन के प्रदर्शन के सबसे उत्तम साधन बनने लगे। भव्य आयोजन, भव्य भोजन, भव्य पहनावा सभी कुछ बड़े पैमाने पर किया जाने जाने लगा। इस भव्यता के आगे विवाह की पवित्रता और धार्मिकता कहीं पीछे छूट गई। यहाँ तक भी सही था कि, चलो, अपना पैसा मर्जी आए जहाँ खर्च करें, लेकिन अब सोशल मीडिया और डिजिटल क्रांति तो एक अजीब ही तरह का तूफ़ान शादी ब्याह में लेकर आ गए हैं। दूल्हा-दुल्हन शादी से पहले फोटो शूट कराने लगे। फोटो शूट भी कोई ऐसा वैसा नहीं बल्कि, पूरी अंतरंगता के साथ वर-वधू अपने नितांत निजी पलों को सार्वजनिक करने पर तुले हुए हैं। इसके पीछे की मानसिकता समझ के परे हैं। दुल्हन भारी गाउन पहन भाग रही है, दूल्हे राजा उनके पीछे उनका हाथ पकड़ने के लिये लालायित हो कर दौड़ लगा रहे हैं। शादी वाले दिन बड़े-बड़े स्क्रीन विवाह स्थल पर लगा कर दूल्हा-दुल्हन की इस भागदौड़ का सार्वजनिक प्रदर्शन किया जा रहा है। अपने ही घर के बेटी-दामाद सबके सामने स्क्रीन पर एक-दूसरे का आलिंगन कर प्रेम का प्रदर्शन कर रहे हैं। क्या यह हमारी मर्यादाओं का अतिक्रमण नहीं है? क्या प्रेम, प्रदर्शन की वस्तु है? क्या घर के बड़े-बूढ़े यूँ अपनी होने वाली बहू की मादक भाव भंगिमाओं को देख नजरें नीचे करने को विवश नहीं हो रहे हैं?

ठीक है माना सोशल मीडिया का युग है। सभी को अपने अंदर अभिनेता और अभिनेत्री नज़र आने लगे है। तो कराए आप अपना वीडियो शूट, रखें उसे अपनी स्वीट मेमोरी बना कर लेकिन उसका यूँ विवाह के आयोजन में बड़ी-बड़ी स्क्रीन पर सार्वजनिक प्रदर्शन क्यों? आपके अपने नितांत निजी पल हैं उन्हें सहेज कर रखें उनका यूँ भौंडा प्रदर्शन कर विवाह और प्रेम को हास्यास्पद ना बनाये। दरअसल प्री वेडिंग शूट बाजारवाद की नयी खुराफात है। ये कोई सस्ता मामला नहीं है। 1 से 5 लाख तक आजकल प्री-वेडिंग शूट के नाम पर वसूले जा रहे हैं। समृद्ध लोगों को तो कोई फर्क़ नहीं पड़ता परंतु उस पिता से पूछिए जिसने बमुश्किल बेटी के विवाह का ठीक-ठाक आयोजन करने की धनराशि जुटा ली थी। अब दुनिया की देखादेखी बेटी शादी पूर्व फोटो शूट और वीडियो बनाने की जिद लेकर बैठी है। ऐसे में इस अतिरिक्त आर्थिक बोझ का भार भी पिता पर आ जाता है। यही पैसा अगर फिक्स डिपॉजिट बना कर बेटी के भविष्य के लिए सुरक्षित कर दिया जाये तो क्या ज्यादा उचित नहीं है?

कुछ विकसित समाजों ने प्री-वेडिंग शूट पर पूरी तरह पाबन्दी लगाना प्रारंभ कर दिया है। हाल ही में दैनिक भास्कर में खबर आयी थी कि अग्रवाल समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में प्री वेडिंग शूट को हिंदू संस्कृति के विरुद्ध बता कर उस पर प्रतिबंध लगाया गया है। हमारे कुमावत समाज में भी यह बीमारी अब धीरे-धीरे पैर पसारने लगी है। हो सकता है, मैं यहां थोड़ी दकियानूसी लगूँ। लेकिन क्या वास्तव में प्री-वेडिंग शूट विवाह के लिए एक अनावश्यक खर्च और हमारी मर्यादाओं का उलंघन नहीं है? क्या अपने समाज की भलाई के लिए हमें अभी से इसका बहिष्कार करना आरम्भ नहीं कर देना चाहिए? या इस बीमारी के भयावह होने और दुष्परिणामों के आने का इंतजार करना चाहिए? इन प्रश्नों का समाधान तभी मिलेगा जब हमारे समाज के गणमान्य लोग इस पर विचार-विमर्श कर कोई समाधान निकालने का प्रयास करेंगे।

मर्यादा एक सीमा है, जिसमें सीमित रहना है।
यह है इक तटबंध अनोखा, जिसमें सब को बंधना है।।

आप इस विषय पर अपने विचार या सुझाव मोबाइल नंबर 9408093778 पर whatsapp के द्वारा साझा कर सकते हैं। अगले अंक में नाम के साथ आपके सुझाव प्रकाशित किए जाएँगे।

- डॉ प्रिया मारवाल
असिस्टेंट प्रोफेसर

राजस्थान पुलिस की अपील

अभिभावक बच्चों को स्कूल में शिक्षक द्वारा डांटने पीटने पर बुरा ना माने, ये बात समझे कि बच्चे की स्कूल में पिटाई अंत में पुलिस की पिटाई-ठुकाई से अच्छी है।

अनुशासन के लिए प्रसिद्ध स्कूलों में विद्यार्थियों के हेयर स्टाइल और उनकी चाल-ढाल को लेकर चाहे कितनी भी सख्ती की जाए, उनके व्यवहार में कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। शिक्षक निराश होकर केवल देखते रह जाते हैं, लेकिन कुछ नहीं कर पाते।

यदि माता-पिता का बच्चों पर ध्यान और नियंत्रण कम हो जाए, तो वे इस प्रकार के व्यक्तियों में तब्दील हो जाते हैं। अनुशासन केवल बातों से नहीं आता; थोड़ा डर और सजा भी जरूरी है। बच्चों को स्कूल में डर नहीं है, घर का भी डर नहीं है। वही बच्चे आज गुंडे बनकर लोगों पर हमला कर रहे हैं। उनके व्यवहार से कई लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। उसके बाद वे पुलिस के हाथ लगते हैं और अदालत में सजा पाते हैं। इसीलिए समाज आज भयभीत हो रहा है।

गुरु का सम्मान न करने वाला समाज नष्ट हो जाता है। 'यह सत्य है।' गुरु का न भय है, न सम्मान। ऐसे में पढ़ाई और संस्कार कैसे आएंगे? मत मारो! मत डांटो! जो खुद नहीं पढ़ना चाहता उससे क्यों सवाल करो? यदि पढ़ने पर जोर दिया गया या काम कराया गया तो गलती शिक्षकों की होगी! पांचवीं कक्षा से ही अजीब हेयर स्टाइल, कटे हुए जींस, दीवारों पर बैठना और आते-जाते लोगों का मजाक उड़ाने की आदत बन जाती है। यदि कोई कहे, ''अरे सर आ रहे हैं!'' तो जवाब होता है, ''आने दो!'' कुछ माता-पिता तो यहां तक कहते हैं, ''हमारा बच्चा न भी पढ़े तो कोई बात नहीं, लेकिन शिक्षक उसे मारें नहीं।'' जब उनसे पूछा जाता है कि ''आपके बाल किसने काटे?'' तो जवाब आता है, ''हमारे पापा ने करवाये हैं ऐसे, सर।''

बच्चों के पास पढ़ाई का सामान नहीं होता। पेन हो तो किताब नहीं, किताब हो तो पेन नहीं। बिना डर के शिक्षा कैसे संभव है? बिना अनुशासन के शिक्षा का कोई परिणाम नहीं। ''डर न रखने वाली मुर्गी मार्केट में अंडे नहीं देती।'' आज के बच्चों का व्यवहार भी ऐसा ही हो गया है। स्कूल में गलती करने पर सजा नहीं दी जा सकती, डांटा नहीं जा सकता, यहां तक कि गंभीरता से समझाया भी नहीं जा सकता। आज के माता-पिता चाहते हैं कि सब कुछ दोस्ताना माहौल में कहा जाए, क्या यह संभव है? क्या समाज भी ऐसा करता है? पहली गलती करने पर क्या क्षमा करता है? अब शिक्षकों के अधिकार नहीं बचे हैं। यदि शिक्षक सीधे बच्चे को सुधारने की कोशिश करें, तो वह अपराध बन जाता है। लेकिन वही बच्चा बड़ा होकर गलती करे तो उसे मृत्युदंड तक दिया जा सकता है।

माता-पिता से एक विनती : बच्चों के व्यवहार को सुधारने में शिक्षक मुख्य भूमिका निभाते हैं। कुछ शिक्षकों की गलती के कारण सभी शिक्षकों का अपमान न करें। 90% शिक्षक केवल बच्चों के अच्छे भविष्य की कामना करते हैं, यह सच है। इसलिए आगे से हर छोटी गलती के लिए शिक्षकों पर आरोप न लगाएं। हम जब पढ़ते थे, तब कुछ शिक्षक हमें मारते थे। लेकिन हमारे माता-पिता स्कूल आकर शिक्षकों से सवाल नहीं करते थे। वे हमारे कल्याण पर ही ध्यान देते थे। पहले माता-पिता बच्चों को गुरु के महत्व को समझाने की जिम्मेदारी उठाएं। बच्चों के भविष्य के बारे में एक बार सोचें। बच्चों की बर्बादी के 60% कारण हैं-दोस्त, मोबाइल और मीडिया। लेकिन बाकी 40% कारण माता-पिता हैं!

अत्यधिक प्रेम, अज्ञानता और अंधविश्वास बच्चों को नुकसान पहुंचाते हैं। आज के 70% बच्चे -

- माता-पिता यदि कार या बाइक साफ करने को कहें तो नहीं करते। ओर बिना प्रयोजन की चीजें वो भी महंगी खरीदने की जिद करते हैं।
- बाजार से सामान लाने के लिए तैयार नहीं होते। अब तो ऑनलाइन ही मंगा लेते हैं उन्हें खरीददारी का तजुर्बा भी नहीं है।
- स्कूल का पेन या बैग सही जगह नहीं रखते।
- घर के कामों में मदद नहीं करते और टीवी या मोबाइल फोन में कुछ से कुछ देखते रहते हैं।
- रात 10 बजे तक सोने की आदत नहीं और सुबह 6-7 बजे जागते नहीं।
- गंभीर बात कहने पर पलटकर जवाब देते हैं।
- डांटने पर चीजें फेंक देते हैं।
- पैसे मिलने पर दोस्तों के लिए खाना, आइसक्रीम और गिफ्ट्स पर खर्च कर देते हैं।
- नाबालिग लड़के बाइक चलाते हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं और केस में फंस जाते हैं।
- लड़कियां दैनिक कार्यों में मदद नहीं करतीं।
- मेहमानों के लिए पानी का गिलास तक लाकर देने का मन नहीं होता।
- 20 साल की उम्र में भी कुछ लड़कियों को खाना बनाना नहीं आता।
- सही ढंग से कपड़े पहनना भी एक चुनौती बन गया है।
- फैशन, ट्रेंड और तकनीक के पीछे भाग रहे हैं।

इस सबका कारण हम ही हैं। हम अपने गर्व, प्रतिष्ठा और प्रभाव बच्चों को जीवन का पाठ नहीं सिखा पा रहे हैं। **कष्ट का अनुभव न करने वाला व्यक्ति जीवन के मूल्य को नहीं समझ सकता।** आज के युवा 15 साल की उम्र में प्रेम कहानियों, धूम्रपान, शराब, जुआ, ड्रग्स और अपराध में लिप्त हो रहे हैं। दूसरे आलसी बनकर जीवन का कोई लक्ष्य नहीं रखते।

बच्चों का जीवन सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। यदि हम सतर्क नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ी बर्बाद हो जाएगी। बच्चों के भविष्य और उनके अच्छे जीवन के लिए हमें बदलना होगा। ऐसा नहीं लगता कि हर कोई बदलेगा लेकिन भरोसा है कि कम से कम एक व्यक्ति तो बदलेगा। **शिक्षक रहम कर सकते हैं पुलिस नहीं** पुलिस कि ठुकाई-पिटाई और बाद में कोर्ट कचहरी तक पैसे खर्च होते हैं, शिक्षक की डाट-डपट पर कोई खर्चा नहीं होता। समय रहते बच्चों को उनके अभिभावक जीवन के सही मूल्यों की शिक्षा दें, यह ठीक है।

बाल निवास जयपुर में गणतंत्र दिवस मनाया

26 जनवरी, 2025 को 76वें गणतंत्र दिवस बाल निवास ट्रस्ट व छात्रावास में सामूहिक रूप से मनाया गया जिसकी अध्यक्षता बाल निवास ट्रस्ट के प्रधान ट्रस्टी राम प्रसाद जी घोड़ेला ने की। 76वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि श्रीमती कपिला कुमावत वार्ड पार्षद 59 नगर निगम हेरिटेज रही व विशिष्ट अतिथि श्रीमती शीला अनावडिया राष्ट्रीय राजनैतिक चेतना मंत्री, भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) रही। प्रात: 10.00 बजे बाल निवास ट्रस्ट में मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथि साथ में प्रधान ट्रस्टी जी व सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर जी बम्बोरिया द्वारा ध्वजा रोहण कर राष्ट्रीय गान गाया गया।

बाल निवास ट्रस्ट मंत्री डॉ. जयनारायण जूनवाल द्वारा मंच संचालन किया उन्होंने राजस्थानी परम्परा अनुसार मंत्री द्वारा मुख्य अतिथि श्रीमती कपिल कुमावत, विशिष्ट अतिथि श्रीमती शीला अनावड़िया व प्रधान ट्रस्टी राम प्रसाद जी घोड़ेला को माला पहनाकर स्वागत किया। उसके पश्चात सर्वप्रथम श्री पृथ्वी कैकटीया द्वारा **''मेरा रंग दे बसन्ती चोला''** गीत गाकर सभी को मुग्ध मन कर दिया। एक नन्हा बालक ने देश भक्ति गीत गाकर सभी का मन मोह लिया। डॉ. अमर चन्द जी चौरासिया, श्रीमान सुरेन्द्र कुमार नागा, श्रीमान गोपाल खोवाल (जयपुर सभा के अध्यक्ष) पूर्व बाल निवास मंत्री, प्रेमचन्द जी घोड़ेला, श्रीमान विजय पाल कुमावत (ढूंढाड़ परिषद अध्यक्ष) स्वामी जी कबीर पंथी, श्रीमती शीला अनावड़िया, श्रीमती पुनम जी कुदीवाल, छात्र देवेश कुमावत ने दिया जिसमें समाज का कैसे विकास व उत्थान हो उसके विषय में बताया गया व बाल निवास का निर्माण कार्य कैसे शीघ्र किया जाये इस विषय पर भी विचार व्यक्त किए।

अन्त में प्रदान ट्रस्टी व मंत्री डॉ. जयनारायण जूनवाल द्वारा कार्यक्रम में पधारे समाजजनों का आभार प्रकट कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

अध्यापक श्री विष्णु कुमावत (धमुनिया ,निवासी मनोहरपुर जिला जयपुर राजस्थान) को PEEO क्षेत्र चाबा (शेरगढ़) व विद्यालय राजकीय प्राथमिक विद्यालय, चाबा, मेघवालों की ढाणी जोधपुर (शेरगढ़) में 26 जनवरी 2025 (गणतंत्र दिवस) पर उपखंड स्तर पर एसडीएम श्री विकास शर्मा द्वारा उत्कर्ष कार्य के लिए सम्मानित किया। बधाई

विष्णु कुमावत जी 2012 से इस क्षेत्र मे अध्यापक के पद पर कार्यरत है।

राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में सीनियर न्यायाधीश माननीय इंद्रजीत सिंह डाल ने ध्वजारोहण किया।

डा. रामपाल कुमावत द्वारा कृषि उपज मण्डी, रामगंजमण्डी में झण्डा फहराया गया।

हैड कांस्टेबल **लोकेश कुमार**, साइबर सेल अपराध शाखा जयपुर दक्षिण निवासी गुढ़ा बैरसल को अपराध एवं कानून व्यवस्था के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के फलस्वरूप पुलिस कमिशनर बीजू जार्ज जोसेफ ने डीजीपी डिस्क एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

डा. सुदीप कुमावत, सहायक निदेशक (सांख्यिकी विभाग) को गणतंत्र दिवस 2025 पर जिला कलेक्टर जयपुर द्वारा सम्मानित किया गया। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

कुमावत समाज के गौरव, भाजपा पाली जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट श्री नारायण जी कुमावत साहब को संविधान गौरव अभियान पाली जिला संयोजक बनाए जाने पर हार्दिक बधाई।

नरेश कुमावत को गिनीज विश्व रिकॉर्ड से नवाजा!

विशाल मूर्तियां बनाने और उसे डिजाइन करने में नरेश कुमावत के नाम का कोई सानी नही है। वृंदावन चार धाम में इसके **अष्टधातु ट्रिडेंट** को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई है।

माननीय राज्य मंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी श्री बघेल एवं गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स टीम ने आधिकारिक तौर पर इनकी कलात्मक यात्रा में एक ऐतिहासिक मील के पत्थर को चिह्नित करते हुए उन्हे उनकी पत्नी श्रीमती सोनल कुमावत तथा आकाश इंस्टीट्यूट के डा. जे सी चौधरी की उपस्थिति में यह प्रमाण पत्र सौंपा।

नरेश कुमावत ने इस अवसर पर कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी नही है, बल्कि हर उस व्यक्ति से संबंधित है जो इस दृष्टि में विश्वास करते है और इसे वास्तविकता बनाने में योगदान देते रहे है। उन्होंने अपनी टीम, समर्थकों और उनके अटूट विश्वास और प्रोत्साहन के लिए शुभचिंतकों के लिए हृदय से कृतज्ञता प्रकट की है। नरेश कुमावत को इस उपलब्धि के लिए **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई।

आंचल बनी 'टेडएक्स' स्पीकर, विश्व स्तर पर लोगों को किया प्रेरित

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक जादुई कीर्तिमान बना चुकी तथा मूल रूप से बाजोर (सीकर) की रहने वाली हाल निवासी उदयपुर जादूगर आंचल के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई जब विश्व स्तरीय 'टेडएक्स' मंच पर **'परिवर्तन की नई कल्पना'** विषय पर अपनी गहन जानकारी और अनुभवों को साझा किया। जादू को अक्सर एक मनोरंजन के रूप में देखा जाता है, लेकिन यह लोगों के जीवन को बदलने की शक्ति भी रखता है। उनके शब्दों ने

श्रोताओं के दिलों को छुआ और उन्हें सोचने पर मजबूर किया। महाराष्ट्र के पूना शहर की प्रतिष्ठित संस्था 'एलप्रो इंटरनेशनल स्कूल' में 1 फरवरी 2025 को रिकॉर्ड किए गए इस विशेष कार्यक्रम में आंचल ने अपने भाषण के दौरान अपनी 27 साल की जादुई यात्रा के माध्यम से लोगों को प्रेरित करने, उनका आत्मविश्वास बढाने और उनके जीवन को सकारात्मक दिशा में बदलने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा की। आंचल की इस बड़ी उपलब्धि पर हम सभी को गर्व है।

बीएलओ राधेश्याम कुमावत राज्यस्तर पर सम्मानित

नीमकाथाना। जयपुर 25 जनवरी को जयपुर में आयोजित होने वाले 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस में सीकर जिले के नीमकाथाना बीएलओ राधेश्याम कुमावत को उनके उत्कृष्ट निर्वाचन कार्यों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया। राधेश्याम कुमावत वर्तमान में राजकीय प्राथमिक संस्कृत विद्यालय, गणेश्वर में अध्यापन कार्य कर रहे हैं और विधानसभा क्षेत्र 178 के बीएलओ के रूप में उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का पालन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया है। उपखंड अधिकारी मुकेश चौधरी के अनुसार निर्वाचन विभाग राजस्थान ने उनके श्रेष्ठ कार्य को देखते हुए उन्हें इस सम्मान के से चयनित किया गया था।

सिद्धान्त कुमावत ने सीएमए परीक्षा उत्तीर्ण की

सी.एम.ए. सिद्धान्त कुमावत सुपौत्र श्री नेमीचन्द जी कुमावत पुत्र प्रदीप कुमार कुमावत (माचीवाल), जयपुर ने वर्ष 2025 की सी.एम.ए. (CMA) परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करके कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से सिद्धान्त कुमावत को **हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।**

चारु कुमावत पुत्री श्रीमती नमिता-स्व. श्री दिनेश कुमार को **कोष एवं लेखा विभाग**, राजस्थान में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति मिलने पर हार्दिक बधाई।

शुभेच्छु

श्रीमती फूला देवी-स्व. रामदयाल गैदर (**दादी-दादाजी**), रमेश कुमावत-अमिता (**ताऊजी-ताईजी**), पारितोष-मेधावी (**भैया-भाभी**), अव्यान (**भतीजा**), मनीष जी खण्डारिया-स्वीटी (**जीजाजी-दीदी**), षष्टी व पिनाक (**भतीजी-भतीजा**)

दहमीकलां, बगरू में सप्तम सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

2 फरवरी 2025 को दहमी बालाजी मंदिर, दहमीकलां, बगरू, जयपुर में 7वाँ सामुहिक विवाह सम्मेलन श्री क्षत्रीय कुमावत समाज कल्याण संस्थान, दहमीकलां के

तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इसमें 7 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समारोह के मुख्य अतिथि श्री प्रहलाद राय टांक थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री कुम्भाराम मारवाल ने की। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि श्री निर्मल कुमावत पूर्व विधायक थे। समिति द्वारा अतिथियों एवं भामाशाहों का स्वागत सत्कार स्मृति चिह्न देकर किया गया। सर्वश्री गणेश कुमावत सरपंच, पन्नालाल सिरस्वा, गणेश राहोरिया, गौरीशंकर मारवाल प्रदेश अध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय महासभा तथा समाज की विभिन्न समितियों के साथ भामाशाहों ने भी समारोह में शिरकत की। मुख्य अतिथि श्री प्रहलाद राय टांक ने कहा कि समाज का राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक विकास तभी हो सकता है जब फिजूलखर्ची रोकें और शिक्षा में खर्च को प्राथमिकता दें। वहीं श्री निर्मल कुमावत पूर्व विधायक ने सामुहिक विवाह सम्मेलन को समय की जरूरत बताया। अतिथियों तथा भामाशाहों ने वर-वधू को आशीर्वाद दिया और सुखद भावी जीवन की कामना की।

समारोह सामुहिक विवाह के आयोजन के संयोजक भामाशाह गणेश राहोरिया थे, वरिष्ठ संरक्षक रामसहाय सरोठिया, आनन्दी लाल खोराणिया, भंवरलाल चौरासिया, कोषाध्यक्ष सुरेश बैरा, मंच व्यवस्थापक चेनसुख बड़ीवाल एवं रामरतन बैरा और मीडिया प्रभारी अर्जुन राहोरिया सहित अनेक गणमान्य समाजजन उपस्थित थे।

केशरीपुरा सांवेर में 6 जोड़ों का विवाह सम्पन्न

वसंत पंचमी 2 फरवरी 2025 को मध्य प्रदेश के केशरीपुरा, सांवेर में मेवाड़ा कुमावत समाज के सामुहिक विवाह सम्मेलन में 6 जोड़ों का पूर्ण विधि विधान एवं मंगलाचार के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। इसके लिए क्षत्रिय

कुमावत समाज, केशरीपुरा की भूमिका प्रशंसनीय रही। इस कार्यक्रम में सर्वश्री सूर्यकुमार ओस्तवाल, घनश्याम मंडलिया, हुकुमचंद सिरोठा, बसंत कुमार पालडिया, सेठ शंकरलाल डूंगरवाल, सुभाष करड़वाल, नेमीचंद कारवाल, नेमीचन्द मेरावंडिया, कुंदन करवाल, रमेश चन्द्र चंगेडिया, राजेन्द्र, सोहन अजमेरा आदि समाजबंधुओं ने इस समारोह में अपनी सेवाएं दी। समारोह में मनोज बाबूलाल घोड़ेला भामाशाह एवं सूर्य कुमार ओस्तवाल का आर्थिक सहयोग सराहनीय रहा।

सभी समाजबंधुओं को होली की
हार्दिक शुभकामनाएं

DREAM HOUSE MAKERS

Er. Nikhil Bhadania
Ar. Akhil Bhadania

• Planning • Designing • Elevation • Interior • Estimation
• Supervision • Construction • Renovation • Consultancy

DREAMHOUSEMAKERS2021

Ar. Raj Singh
9414238799, 9782996440
9782649995, 9529438799
dreamhousemakers2021
dreamhousemakers22@gmail.com
454, Mishra Raja Ji Ka Rasta
Indira Bazar, Jaipur (Raj.) 302001

सदा हंसते रहो, मुस्कराते रहो, जैसे हंसते हैं फूल, दुनियां के सारे गम भुला दो और, चारों तरफ फैलाओं खुशियों के गीत, मुबारक हो आपको होली की रीत। हर कदम पर मिलें खुशियाँ, ना हो दुःखों से कभी सामना, जिंदगी के हर मुकाम में सफल हो आप, मेरी ओर से यही है

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल
मो. 9549656063
7/218, मालवीय नगर,
जयपुर-302017

होली का गुलाल हो, रंगो की बहार हो, गुंजिया की मिठास हो, सबके दिलों में प्यार हो, ऐसा होली का त्योहार हो। आपको और आपके परिवार को होली की शुभकामनाएँ। भगवान से आपकी अच्छी सेहत, विकास और उपलब्धियों की कामना करता हूँ।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

खेमचंद खड़गटा

मो. 9829140629, 6378593224

उप-कोषाध्यक्ष,

कुमावत इंडिया पत्रिका

कुमावत इंडिया पत्रिका के सभी पाठकों एवं समाजजनों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेश कुमावत (गैदर)

सेनि. उपायुक्त राज्यकर

मो. 9414554322

E 45 AB लालबहादुर, नगर-II, प.दुर्गापुरा, जयपुर-18

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

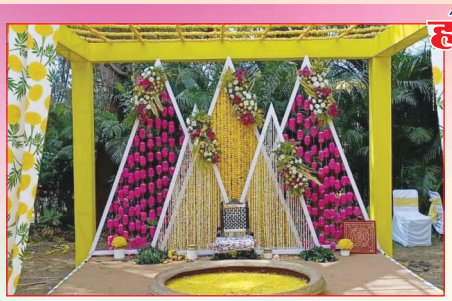

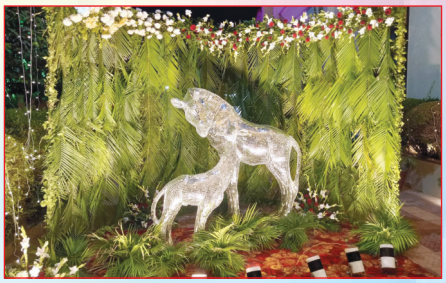

गुंजन इवेंट्स

बरकत नगर विस्तार, जयपुर

महान टैन्ट हाउस

सभी प्रकार की महफिलों, टैन्ट, लाईट डेकोरेशन
फ्लॉवर डेकोरेशन, वेडिंग एवं कार्पोरेट इवेंट
व कैटरिंग ऑर्गेनाइजर

मुकेश कुमावत (कारगवाल)

S-1, कीर्ति नगर, जैन मंदिर के पास, कमल एण्ड कम्पनी के सामने, टोंक रोड, जयपुर मो. 9828606056

पार्वती के पतिव्रत्य की परीक्षा

-प्रो. बी.के. कुमावत

पार्वतीजी निर्जन प्रदेश में एक दिन भगवान का चिन्तन कर रही थी कि उन्हें पानी में डूबने वाले एक बालक की करुण पुकार सुनाई दी जो मगर के जबड़ों में से निकलने का प्रयास करते करुण कृन्दन कर रहा था। चिन्तन टूटा, द्रवित हो आश्चर्यवत देखने लगी। क्या करूँ और क्या न करूँ? घबराई। भावुक हो उठी। दौड़ी-दौड़ी आई, किनारे खड़ी, रक्त से लथ-पथ बालक को मगर के जबड़े में थर-थर काँपते देखा। कोई उपाय न सूझा तो मगर से प्रार्थना की कि वह बालक को छोड़ दे। **मगर बोला**— ''विधाता ने मेरे आहार का यह नियम बनाया है कि छठे दिन जो भी जीव तुम्हारे पास आ जाए उसे खाकर तुम अपनी भूख मिटाना। आज विधाता ने इसे ही मेरे भोजन के रूप में भेजा है। छोड़ने पर मैं भूखा मर जाऊँगा। मैं इसे नहीं छोड़ सकता।''

पार्वतीजी बोली ठहरो, मेरा एक प्रस्ताव सुनो। इस बालक को छोड़ने के बदले में मैं तुम्हें पूरा का पूरा पतिव्रत का पुण्य देती हूँ, इससे मूल्यवान् सम्पत्ति मेरे पास नहीं है। झूठ नहीं बोल रही हूँ। बालक का प्राण बचाना अधिक महत्वपूर्ण लग रहा है। यह लीजिए संकल्पकर अपनी पूरी तपस्या आपको प्रदान करती हूँ। बालक को छोड़कर मगर ने कहा, ''तुम्हारी तपस्या महान है। तुम्हारी श्रद्धाभक्ति और प्रज्ञा से मैं कृतार्थ हूँ। तुम्हें आध्यात्मिक अनन्त शक्ति का वरदान देता हूँ। इतने श्रम से उपार्जित यह अनन्त पुण्य राशि, यह तपस्या वापस ले लो।''

पार्वतीजी ने कहा—''दी हुई चीज भला मैं कैसे वापस ले सकती हूँ? बालक की मुक्ति-प्राणरक्षा अपनी तपस्या का फल मानकर संतुष्ट हूँ।'' बालक को बचाकर पार्वती बहुत संतुष्ट थी। क्षणभर में बालक गायब हो गयी तथा उसके स्थान पर भगवान शंकर प्रकट हुए। वे बोले, ''देवी पार्वती! तुम्हारी पति-भक्ति, उदारता, समदर्शिता तथा सर्वस्व त्याग की भावना से ओतप्रोत मन के समत्व से, मैं प्रसन्न हूँ। तुम्हारी अर्चना महान है-युग-युग तक स्मरण की जाएगी। तुम जगत कल्याणी हो अब तुम्हें तपस्या की आवश्यकता नहीं। पतिव्रत्य परीक्षा में तुम उत्तीर्ण हो। तुम जैसी पतिव्रता पर भारत को सदा गर्व रहेगा।'' यह सुनकर पार्वती शिवजी के चरणों में गिर पड़ी।

कर्म योग, ज्ञान योग और भक्ति योग से ही जन्म जन्मांतर से मुक्ति

गीता जीवन के लिए तीन मार्ग खोलती है- कर्म, भक्ति और ज्ञान। कृष्ण ने अर्जुन को कर्म योग, ज्ञान योग और भक्ति योग की शिक्षा दी। ये तीन ही रास्ते हैं जो जन्म-मरण के चक्र से आत्मा को बाहर निकालकर परमात्मा तक ले जा सकते हैं।

कृष्ण का जीवन और गीता का उपदेश इन्हीं तीन चीजों पर टिका है। कृष्ण ने गीता में कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग कहे हैं। पूरी महाभारत में भगवान के भी तीन मित्र हैं : अर्जुन, उद्धव और सुदामा। **अर्जुन** कर्म का प्रतीक है, **उद्धव** ज्ञान के और **सुदामा** भक्ति के। ये तीन मित्र ही हैं जो हमें जीवन को सही रास्ते पर ले जाते हैं।

हमने कई बार ज्ञान योग, भक्ति योग एवं कर्म योग के बारे में पढ़ा है व सुना है। पर इन योगों को हमारे जैसे साधारण गृहस्थ अपने जीवन में कैसे उतारे? यह बात सोचने पर ऊपर-ऊपर से तो कुछ कठिन लगता है पर वास्तव में बहुत सरल है।

वेदों और अन्य प्राचीन शास्त्रों के अनुसार कण-कण में भगवान है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार भी विश्व की प्रत्येक रचना अपने आप में पूर्ण है भले ही फिर वह ब्रह्माण्ड की आकाश गंगा हो या एक छोटा सा अणु। प्रत्येक रचना की अपनी ऊर्जा होती है; और कहीं न कहीं यही ऊर्जा ईश्वर है और कण-कण में व्याप्त है। एक-दूसरे या यूं कहें सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड से जुड़ी हुई भी है। वैज्ञानिकों द्वारा खोजी गई GOD Particle की अवधारणा भी इसकी पुष्टि करती है।

भौतिकशास्त्र की नवीनतम शोध के अनुसार एक अणु में इलेक्ट्रान, प्रोटोन और न्यूट्रॉन के साथ एक GOD पार्टिकल भी होता है, पर वो दिखता नहीं लेकिन होता है।

कण में भगवान है, इस अवधारणा को कोई अपने दृष्टिकोण में अपना लें तो उसके जीवन में ज्ञानयोग, भक्ति योग एवं कर्म योग स्वत: ही उतर जायेगा। इस अवधारणा को जीवन में उतार कर अपना दृष्टिकोण बदलने मात्र से ही ज्ञानयोग, भक्ति योग एवं कर्म योग जीवन में निम्न प्रकार से घटित हो जाता है-

- जगत मात्र के लिए हमारी दृष्टि यह हो जाय कि कण-कण में भगवान है तो- हमें ज्ञान योग घटित हुआ माना जायेगा।
- जगत मात्र के लिए हमारी दृष्टि यह हो जाय कि कण-कण ही भगवान है तो हमें भक्ति योग घटित हुआ माना जायेगा।
- इसके अतिरिक्त हमारे द्वारा किये जाने वाले प्रत्येक कर्म करते वक्त हमारी भाव चेतना में ''कण-कण में भगवान है एवं कण ही भगवान है'' के भाव रहे तो उस क्षण किया जाने वाला कर्म, कर्मयोग हो जायेगा। यानि हम कोई भी कर्म जैसे भोजन करना, स्नान करना आदि करते वक्त भाव में उक्त भगवान की अवधारणा रहती है, तो हमारा यह कर्म भी कर्मयोग की श्रेणी में आ जायेगा।

-एस आर सिंघाटिया

कार्यस्थल पर महिलाओं से सम्मानजनक व्यवहार हो

सभ्यता के विकास और शिक्षा के प्रसार के बावजूद कार्यस्थलों पर महिलाओं को पुरुषों से अनुचित व्यवहार झेलना पड़ता है। यह महिलाओं के प्रति संकुचित नजरिया है। हमारे देश में पुरुष प्रधान समाज रहा और सामाजिक प्रतिबन्ध बालिकाओं और महिलाओं पर लागू रहे जिसे मनमाने ढंग से सदैव न्यायोचित ठहराने का प्रयास रहा है। इस कारण पुरुष अपने को महिलाओं से श्रेष्ठ समझते हैं और ऐसी भावना कार्यस्थल पर भी देखी जा सकती है। वे नहीं चाहते कि महिला सहकर्मी उनके साथ समान रूप से कार्य करें, उसे समान वेतन मिले तथा उसे पदोन्नति के समान अवसर मिले। इस कारण कुछ पुरुषकर्मी उन्हें नीचा दिखाने, अपमानित करने तथा कम आंकने का अवांछित प्रदर्शन करते हैं। हद तो तब हो जाती है जब महिलाओं के प्रति अभद्र टिप्पणी की जाती है और अश्लील व्यवहार तक करने से नहीं चूकते। यह यौन उत्पीड़न है जो इर्ष्यावश तथा यौन विकृति से किया जाता है। कहीं-कहीं तो नियुक्ति एवं पदोन्नति पर यौन उत्पीड़न की शिकायत भी मिली है।

यह गम्भीर मामला है जो महिला की गरिमा तथा महिला सशक्तिकरण के विरुद्ध है। ऐसा कृत्य अस्वीकार्य तो है ही, बल्की कानून के विरुद्ध भी है। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास कम होता है। सभी को यह समझना चाहिये कि कार्यस्थल पर कार्यरत महिलाएं भी सम्मान की उतनी ही अधिकारी हैं जितने अपने घर की महिलाएं।

महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभावों को समाप्त करने के लिए वर्ष 1980 में अन्तर्राष्ट्रीय संधि हुई थी तथा वर्ष 1993 में कुछ शर्तों के साथ उसे स्वीकार किया गया है। किन्तु कोई कानून नहीं बन पाया। वर्ष 1997 में माननीय उच्चतम न्यायालय ने **विशाखा बनाम राजस्थान राज्य** के मामले में निर्णय दिया कि यौन उत्पीड़न से सुरक्षा व गरिमा के साथ कार्य करना लिंग समानता में शामिल है, जो एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य मानव अधिकार है। यह लिखित कानून के अभाव में अन्तर्राष्ट्रीय संधि के तहत मान्य है, यदि स्थानीय कानून के विरोधाभाषी न हो। वर्ष 2013 में महिलाओं का **यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण)** अधिनियम पारित हुआ। इसमें प्रावधान किया कि सरकारी कार्यालय या निजी कार्यालयों आदि में नियोक्ताओं को आतंरिक व स्थानीय शिकायत समितियों का गठन करने तथा उनकी जानकारी प्रदर्शित करने तथा शिकायतों की जांच की त्वरित व्यवस्था करके कार्यवाही करने का प्रावधान किया गया है। इस संबंध में जागरूकता लाने के लिए कार्यशालाएं, सेमीनार आदि आयोजित करना अपेक्षित किया गया है।

वर्ष 1923 में उच्चतम न्यायालय ने **औरेलिवने फर्नांडिस बनाम गोवा राज्य** में निर्णय दिया कि महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विरुद्ध कानून पारित हुए 10 वर्ष हो चुके हैं पर इसका समुचित अनुपालन न होने पर रोष प्रकट करते हुए न्यायालय ने निर्देश दिए हैं कि कार्यस्थल पर कामकाजी महिलाओं का यौन उत्पीड़न न हो इसके लिए केन्द्र सरकार, राज्य सरकारें, सार्वजनिक उपक्रम, निकाय, सरकारी व निजी संस्थाएं प्रभावी कदम उठाएं तथा आवश्यक जानकारी, नियम आदि का कार्यस्थल पर प्रदर्शन करें और वेबसाइट पर अपलोड करें। महिलाओं के यौन शोषण के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के समुचित व प्रभावी उपाय करें।

इससे महिला सम्मान एवं गरिमा की वृद्धि होगी। महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिये, उनकी सजगता से ऐसे अपराध रोकने में मदद मिलेगी। इससे कार्यस्थल पर आत्मविश्वास से निर्भीक होकर महिलाएं काम करने में समर्थ होगी।

- रमेश कुमावत, सम्पादक से.नि. उपायुक्त राज्यकर

जीवन रूपी कार

कार में आपने देखा होगा कि आगे की ओर देखने के लिए बड़ा शीशा लगा होता है, जबकि पीछे की ओर देखने के लिए स्टीयरिंग के ऊपर की ओर छोटा सा शीशा लगा होता है। जो ये दर्शाता है कि पीछे की ओर कम ध्यान रखें और आगे की ओर ज्यादा। पीछे से आ रही कोई गाड़ी गलत तरीके से कहीं ओवरटेक करके आपकी आगे की यात्रा कहीं खराब न कर दे, इसका जरूर ध्यान रखें। पर भूतकाल में ही ना उलझे रहें, आपका ज्यादा ध्यान आगे की ओर बढ़ने के लिए होना चाहिए। पीछे की ओर बस इतना ही ध्यान रखें कि आगे की यात्रा सुगम बन सके। भूतकाल के सुख-दुख में ही ना उलझे रह जाएं। जिस प्रकार कार का स्टीयरिंग कार को सही दिशा देता है, उसी प्रकार जीवन रूपी गाड़ी का स्टीयरिंग भी किसी ऐसे हाथों में होना चाहिए, जो आपको सही दिशा में लेकर चले ताकि आपकी दिशा और दशा सही रह सके। किसी ज्ञानी-ध्यानी सद्गुरु के हाथ में अपनी जीवन की गाड़ी का स्टीयरिंग पकड़ाइए। कार चलाते समय बीच-बीच में अवरोध आते है तो कार की गति धीमी करनी पड़ती है, ब्रेक लगाना पड़ता है, सन्तुलन बनाना पड़ता है। ठीक इसी प्रकार हमारे मन व इन्द्रियों का संयम ही जीवन रूपी गाड़ी के ब्रेक है। हमें पता होना चाहिए कि कहां रुकना है, ये ना हो कि अन्धाधुन्ध आप भागे ही चले जा रहे हैं। आपको हर जगह नकारात्मक लोगों की, चापलूस लोगों की तथा व्यसनी लोगों की भीड़ मिलेगी, जो आपकी जीवन यात्रा में अवरोध पैदा करेगी। वहां अपने ब्रेक का, अपने विवेक का इस्तेमाल कीजिए, सन्तुलन बनाइए और आगे बढिए। समय समय पर हम अपनी कार की सर्विस कराते हैं ताकि वो ठीक चलती रहे। तो आप भी समय-समय पर अपनी जीवन रूपी गाड़ी को सत्संग, स्वाध्याय, ध्यान-ज्ञान की वर्कशॉप में लेकर जाइए और अपनी सर्विस करवाकर आइए, ताकि आगे की यात्रा ठीक चल सके।

- ललित 'अकिंचन

दूसरों के दबाव में न आएं : खुद की पहचान बनाएं

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में समाज, परिवार, कार्यस्थल और रिश्तों का दबाव महिलाओं पर बहुत ज्यादा होता है। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे अच्छी बेटी, आदर्श पत्नी, परफेक्ट माँ और सफल प्रोफेशनल बनें। लेकिन क्या यह संभव है कि हर महिला हर भूमिका में परिपूर्ण हो? नहीं! और न ही इसे लेकर किसी को अपराधबोध महसूस करना चाहिए।

1. समाज की उम्मीदें : लोग कहते हैं, ''अब शादी कर लो'', ''इतनी देर तक ऑफिस में मत रहो'', 'बच्चे कब होंगे?', 'घर और करियर दोनों अच्छे से संभालो।' यह मानसिक दबाव महिलाओं को तनावग्रस्त कर देता है।

2. तुलना और आलोचना : महिलाओं को अक्सर दूसरों से तुलना कर परफेक्ट बनने का दबाव महसूस कराया जाता है।

3. वर्क-लाइफ बैलेंस : घर और ऑफिस के बीच तालमेल बिठाने में मानसिक और शारीरिक थकान होती है।

4. स्वयं को साबित करने की दौड़ : महिलाओं को लगता है कि उन्हें हर हाल में खुद को बेहतर साबित करना है, जिससे वे खुद की खुशी को अनदेखा करने लगती हैं।

दूसरों के दबाव से बचना क्यों जरूरी है?

मानसिक शांति - अगर आप हर किसी की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगी, तो खुद को खो देंगी।

स्वास्थ्य प्रभावित होता है - ज्यादा तनाव से डिप्रेशन, चिंता, अनिद्रा और आत्मविश्वास में कमी हो सकती है।

खुद की पहचान जरूरी है - हर महिला को अपनी इच्छाओं, सपनों और खुशियों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कैसे नकारात्मक दबाव से बचें?

- **ना कहना सीखें** - हर किसी को खुश करने की ज़रूरत नहीं। जो आपके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाए, उसे मना करना सीखें।
- **तुलना न करें** - किसी ओर की जिंदगी आपकी जिंदगी से अलग है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली 'परफेक्ट लाइफ' हकीकत नहीं होती।
- **स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें** - शारीरिक और मानसिक सेहत सबसे ज्यादा जरूरी है। ध्यान, योग और एक्सरसाइज करें।
- **अपने फैसले खुद लें** - करियर, शादी, बच्चों और जिंदगी के फैसले समाज नहीं, बल्कि आप खुद लें।
- **सपने पूरे करने का समय निकालें** - बिज़नेस, करियर या कोई नया हुनर सीखना हो, तो उसे टालें नहीं।

प्रेरणादायक उदाहरण

पीवी सिंधु - लोगों ने कहा 'बैडमिंटन लड़कियों के लिए नहीं,' लेकिन उन्होंने ओलंपिक में भारत का नाम रोशन किया।

फाल्गुनी नायर - 50 की उम्र में उन्होंने नौकरी छोड़कर Nykaa की शुरुआत की और अरबों की कंपनी बना दी।

मलाला यूसुफजई - तालिबान के डर से रुकी नहीं, बल्कि महिलाओं की शिक्षा के लिए लड़ती रहीं।

अगर आप हर किसी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश करेंगी, तो अपनी खुशियों और आत्म-सम्मान को खो बैठेंगी। इसलिए समाज की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों, करियर और खुशी को प्राथमिकता दें।

'आपकी जिंदगी आपकी है, इसे दूसरों की उम्मीदों के अनुसार मत जिएं!'

आज की नारी अबला नहीं, सबला है। वह अपनी पहचान खुद बना रही है और समाज की रूढ़ियों को तोड़कर आगे बढ़ रही है। जरूरत है कि हम उनकी इस ताकत को पहचानें और उन्हें हर स्तर पर समर्थन दें।

'जब नारी शिक्षित और सशक्त होगी, तभी समाज और देश की उन्नति होगी!'

- सीमा कुमावत (मारवाल)

वसंत पंचमी से ब्रज में होली का उल्लास

वसंत पंचमी पर्व से ब्रज में 40 दिन की होली का शुभारम्भ हो जाता है। जहां बांके बिहारी के मंदिर में भक्तगणों पर आराध्य रंग-बिरंगी अबीर-गुलाल डालकर समारोह की शुरुआत की जाती है वहीं होली के रसिया गाकर माहौल रंगीन बना दिया जाता है। भक्त बांके बिहारी की एक झलक पा लेने को आतुर रहते हैं तथा रंग अबीर की प्रसादी की लालसा से मन सरोबार रहता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ, ब्रज में 2 फरवरी को तो बांके बिहारी मंदिर में 3 फरवरी को होली का आगाज धूमधाम से हुआ। आराध्य वासंतिक वेशभूषा में हीरे-मोती के आभूषणों से सुसज्जित होकर, कमर में गुलाल की पोटली बांधकर भक्तों को दर्शन दिये। पुजारी व सेवायतों ने ठाकुर जी की ओर से भक्तों को गुलाल लगाया वहीं मंदिर परिसर में जमकर गुलाल उड़ाई गई। होली के इस रस का आनन्द लेने ब्रज से तथा दूर-दूर से आकर श्रद्धालुओं ने रंगों तथा होली के रसिया के गीतों का आनन्द लिया।

महाकुंभ का पर्याय : नागा साधु

वर्ष 2025 भारतवर्ष के इतिहास में बहुत ही सौभाग्यशाली वर्ष की श्रेणी में रहने वाला है। क्योंकि इस वर्ष का प्रारम्भ ही महाकुंभ जैसे पावन-पवित्र आयोजन के साथ हुआ। 144 वर्ष के पश्चात होने वाले पूर्ण महाकुंभ का सफलतापूर्वक भव्य आयोजन प्रयागराज की पावन भूमि पर संगम के किनारे हुआ, जिसके हम सभी साक्षी बने। यह हमारे जीवन की एक अत्यन्त सुखमय व सौभाग्यशाली घटना है क्योंकि यह महाकुंभ का आयोजन वास्तव में सनातन धर्म की शक्ति और एकता का महाकुंभ है। तीर्थस्थल प्रयागराज गंगा, यमुना व सरस्वती जैसी पावन नदियों का पवित्र संगम है। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक विशाल महाकुंभ मेले का आयोजन हुआ जिसमें करीब 55 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था का स्नान किया। लगभग डेढ़ माह तक चलने वाले इस आयोजन के बारे में ज्ञान व जानकारी का विस्तृत भंडार है मगर आज हम जिस विषय पर चर्चा करेंगे वह महाकुंभ का सबसे प्रमुख अंग है या यूं कह सकते हैं कि उसके बिना कुंभ मेले की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। आस्था और विश्वास के इस भव्य सागर का अभिन्न हिस्सा हुआ करते हैं **नागा साधु**। जी हां, वही नागा साधु जो सामान्यत: समाज और जन समुदायों से बहुत दूर अलग-थलग अपनी एक अलग ही दुनिया में बसा करते हैं मगर जब भी कुंभ मेलों का आयोजन होता है तो ये देश-दुनिया के निर्जन स्थलों से निकलकर कुंभ का हिस्सा बनते हैं तथा समापन के पश्चात पुन: गायब हो जाते हैं। नागा साधुओं के विषय में हमारे देश में लोगों को बहुत कम जानकारी है। यह विडम्बना है कि भारत की मौजूदा पीढ़ी नागा साधुओं के बारे में ना कुछ ज्यादा जानती है और ना ही जागरूक है। इसीलिए मैंने इस बार लेखन हेतु यह विषय चुना। नागा साधु असल में एक विचार है जिसमें सम्पूर्ण शक्ति का त्याग समाहित है और यह त्याग सर्वप्रथम अपने शरीर से प्रारम्भ होता है। नागा साधु बनने की प्रक्रिया में सर्वप्रथम व्यक्ति को ब्रह्मचर्य के नियमों के पालन की कड़ी परीक्षा अखाड़ा समिति के गुरुओं के समक्ष देनी पड़ती है। इसमें छह माह से लेकर कुछ वर्ष तक का समय लग सकता है। उसमें उत्तीर्ण होने के पश्चात पंचदेव गुरुओं शिव, विष्णु, शक्ति, सूर्य और गणेश द्वारा दीक्षा प्राप्त करनी पड़ती है। नागा साधु बनने से पहले साधक को अपने बीते हुए सांसारिक जीवन का त्याग करने के लिए व आध्यात्मिक जीवन में कदम रखने से पहले स्वयं का पिण्डदान करना होता है साथ ही वे अपने माता-पिता, परिवारजनों व सगे सम्बन्धियों का भी पिण्डदान करते हैं। इसके पश्चात अखाड़े के गुरुओं द्वारा साधक को नया नाम दिया जाता है। वे अब पुरुष नहीं महापुरुष कहलाते हैं और यहीं से नागा साधु के रूप में उसका नया जीवन प्रारम्भ होता है। नागा साधुओं को आजीवन निर्वस्त्र रहना होता है क्योंकि वस्त्रों को सांसारिक जीवन और आडम्बर का प्रतीक माना जाता है। वे स्वयं का पिण्डदान कर मृत्यु पर विजय प्राप्त कर चुके होते हैं इसी के प्रतीक स्वरूप वे अपने तन पर श्मशान की भस्म लगाते हैं। पिण्डदान के पश्चात महापुरुष से संन्यासी बनने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है। इसमें प्रमुख होता है, यज्ञ। विराज हवन नाम का यज्ञ हमेशा कुंभ मेले में सम्पन्न होता है। यज्ञ और सारी प्रक्रियाएं नदी के किनारे की जाती है। सबसे पहले व्यक्ति को घर लौटने की आखरी चेतावनी दी जाती है। इसके बाद चार चिताओं के सम्मुख मुख्य यज्ञ होता है जिसमें ऋग्वेद के पुरुष सूक्त का उच्चरण किया जाता है। इस प्रक्रिया के बाद यह मान लिया जाता है कि महापुरुष अपने परिवार व समाज के लिए सदा के लिए मर चुका है। फिर शुरू होती है संन्यासी बनने की प्रक्रिया और उसके पश्चात अंत में टांग तोड़ प्रक्रिया। यह नागा साधु बनने की सबसे आखिरी और दर्दनाक प्रक्रिया है। नागा का तात्पर्य एक बहादुर युवा यौद्धा भी होता है। नागा साधुओं को शास्त्रों के साथ-साथ शस्त्र विद्या का भी सम्पूर्ण ज्ञान दिया जाता है इसीलिए इन्हें योद्धा संन्यासी भी कहा जाता है। इनके अनुसार सिर्फ शास्त्रों के ज्ञान से सनातन की रक्षा नहीं की जा सकती। समय आने पर यदि शस्त्र भी उठाना पड़े तो अवश्य उठाना चाहिए। नागा साधु शस्त्र विद्या में निपुण होते हैं मगर ये अपनी विद्या का खुलेआम प्रदर्शन नहीं करते। बात यदि धर्म की रक्षा की हो तो फिर पीछे नहीं हटते। नागा साधुओं की सबसे बड़ी शक्ति होती है उनकी इच्छा शक्ति। वे बिना कष्ट की भावना के ऐसे हठयोग करते हैं जिनकी आम लोग कल्पना भी नहीं कर सकते।

नागा साधुओं के कुल 13 अखाड़े हैं। इनमें प्रथम सात शैव, तीन वैष्णव व तीन उदासीन सम्प्रदाय के अखाड़े हैं। इनके अन्तर्गत (1) श्री पंचायती अखड़ा महानिर्वाणी (2) श्री पंच अटल अखड़ा (3) श्री पंचायती अखाड़ा (4) श्री तपोनिधि

आनन्द अखाड़ा (5) श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा (6) श्री पंचदश नाम आवाहन अखाड़ा (7) श्री पंचदशनाम पंच अग्नि अखड़ा (8) श्री दिगम्बर अनी अखाड़ा (9) श्री निर्वानी आनी अखाड़ा (10) श्री पंच निर्मोही अनी अखाड़ा (11) श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा (12) श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन (13) श्री निर्मल पंचायती अखाड़ा आते हैं। महिला साधुओं का सबसे बड़ा अखाड़ा माईबड़ा अखाड़ा है जिसे पिछले कुंभ में जूना अखाड़ा में शामिल कर लिया गया था। इसी प्रकार इस बार के कुंभ में किन्नर अखाड़ा को भी जूना अखाड़ा में शामिल कर लिया गया है। महाकुंभ में सर्वप्रथम शाही स्नान का एकमात्र अधिकार नागा साधुओं का होता है। शास्त्रों में भी इस बात की पुष्टि की गयी है कि भगवान शिव के साधक होने के कारण उनके स्नान से संगम के जल में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। उनके द्वारा शुभ मुहूर्त में त्रिवेणी संगम में स्नान करने से जल अमृत बन जाता है। सनातन धर्म की रक्षा के लिए ही नागा साधु अपने जीवन का त्याग कर तपस्वी जीवन को अपनाते हैं। इनके इसी त्याग के कारण इन्हें महापुरुषों का दर्जा दिया जाता है तथा महाकुंभ में प्रथम शाही स्नान का अधिकार देकर सम्मानित किया जाता है। इनके पश्चात ही अन्य श्रद्धालुओं को पवित्र स्नान की अनुमति दी जाती है। नागा साधुओं के बारे में दी गई उपर्युक्त जानकारी बहुत ही सूक्ष्म तथा संक्षिप्त है। इनके जीवन को विस्तार से जानने के लिए पूरा एक जीवन भी कम है। कहते हैं नागा साधुओं का अस्तित्व पृथ्वी पर सिन्धुघाटी सभ्यता से भी पुराना है। आदि शंकराचार्य द्वारा छठी शताब्दी में धर्म के प्रसार-प्रचार के लिए अखाड़ों की स्थापना की गयी ऐसी भी मान्यता है। असल में यह एक ऐसी विचारधारा है जो मनुष्य को सुख-दु:ख, खुशी व गम हर भावना से परे स्वयं की प्रसन्नता में मग्न होकर बैरागी जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है।

- उर्वशी बालोदिया

बच्चे को संस्कारवान बनाने में माँ ही समर्थ

हमारी भारतीय संस्कृति में चरित्र और सजगता को महत्व दिया गया है। किन्तु विज्ञापन उद्योग उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए महिलाओं को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भले ही उत्पाद से उनका कोई सीधा संबंध न हो। इससे महिलाएं अपनी पहचान भूलकर खिलौना ही बन गई हैं और इससे महिलाओं का सारा देवत्व खो गया है।

हमारी संस्कृति में पुरुष तो मात्र शरीर है। वहीं स्त्री शरीर भी है और देवी भी, यही ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी है। यही जननी, पालक और संहारक भी है।

मां द्वारा बचपन में दिए गये संस्कारों का महत्व :- बालक माता के सम्पर्क में रहकर भाषा, शिष्टाचार, रीति-रिवाज, व्यक्तियों से व्यवहार और संस्कार ग्रहण करता है। इसके उदाहरण महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी आदि महापुरुष हैं उन्हें बचपन में माँ से राष्ट्रप्रेम, वीरता, स्वराज्य, स्वतंत्रता एवं आदर्श जीवन मूल्यों की शिक्षा मिली। जिसने उन्हें महिलाओं के प्रति सम्मान और उनकी सुरक्षा के लिए प्रेरित किया था। आजकल बच्चों में बढ़ती आपराधिक मनोवृत्ति में मानसिक तनाव, सहनशीला की कमी का मूल कारण पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश में बदलाव व सोशल मीडिया है।

हाल में ही पूणे में सातवीं कक्षा के छात्र द्वारा अपनी सहपाठी छात्रा से बलात्कार और हत्या के लिए-दूसरे साथी को एक सौ रुपये की सुपारी देने की खबर चौंकाने वाली है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के साल दर साल आंकड़े यह दर्शाते हैं कि नाबालिगों में अपराध की मनोवृत्ति बढ़ती जा रही है।

क्या यह सही नहीं कि आज के आधुनिक समय में शिक्षित माताएं अपनी संतान को संस्कार देना ही भूल गयी हैं ?

शिक्षण संस्थानों को विद्या अर्जन एवं संस्कारों का मंदिर माना जाता है। वहां आपराधिक मनोवृत्ति वाले बच्चे कैसे पनप रहे हैं तथा उन पर निगरानी क्यों नहीं रखी जाती ?

क्यों आज के समय में हजारों की संख्या में अलग-अलग भेष में (आपराधिक मनोवृत्ति) असुर प्रकट हो रहे हैं। आज रक्षक व शिक्षक सब मुखैटे बनकर रह गये हैं तथा नारी सशक्तीकरण का नारा नकली निकला है।

आज जो व्यक्ति महिला पर अत्याचार कर रहा है वह भी तो किसी माँ ने ही तैयार किया है। अत: मूल में तो मां की सुरक्षा मां के हाथ में है। एक की रक्षा दूसरे की रक्षा, परस्पर सम्मान, विश्वास और सहयोग में ही सभी का हित है।

प्रत्येक मां को अपनी संतानों को सहनशीलता, आदर्शों की शिक्षा, भाषा, शिष्टाचार, रीति रिवाज, व्यक्तियों से व्यवहार के साथ ही महिलाओं के प्रति सम्मान और उनकी सुरक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। इसके बाद देखिए हमारी जिन्दगी कितनी सुकून भरी हो जायेगी। अपने आप को वैसा ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं किसी से तुलना न करें।

आखिर में यही कहूंगा कि सादा जीवन उच्च विचार, जीवन में सामंजस्य तथा बच्चों में पढ़ने की आदत डालें और वे लगातार सफलता से अहंकारी न बन जाएं। साथ ही वे सफलता और विफलता के बीच सन्तुलन बनाये रखें।

माताएं शास्त्र विधित ज्ञान के द्वारा बच्चों में बढ़ती आपराधिक मनोवृत्ति विचार धारा को दूर कर संतान को संस्कारवान बनाएं तथा स्वयं भी ध्यान रखें।

- अर्जुन लाल दौराया (कुमावत)

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

22 जनवरी श्री पंकज कुमावत (सोनू), गोविन्दगढ़
22 जनवरी श्रीमती विमला देवी बालोदिया, जयपुर
22 जनवरी श्रीमती हीरा देवी धर्मपत्नी श्री ईश्वरलाल बबेरीवाल, शास्त्री नगर, जयपुर
22 जनवरी श्री हनुमान प्रसाद झुंझुनोदिया, रामनगर, पुष्कर रोड, अजमेर
24 जनवरी श्रीमती बीना देवी राणोलिया, हाथोज
26 जनवरी श्रीमती रेनू वर्मा धर्मपत्नी श्री मनीष वर्मा (बबेरवाल), चौपासनी, जोधपुर
28 जनवरी श्री गोपाल मरमट, चाकसू
28 जनवरी श्री कल्याण सहाय घोड़ेला, चौमूं
28 जनवरी श्री रामस्वरूप कुण्डलवाल, ब्यावर
28 जनवरी श्रीमती विद्या देवी धर्मपत्नी स्व. श्री दुर्गालाल जी कुदाल, बालाजी विहार, हाथोज, जयपुर
28 जनवरी श्रीमती नवरत्न देवी धर्मपत्नी बोदीलाल गुड़ीवाल, मधुवन कॉलोनी, जयपुर
29 जनवरी कुमारी हर्षिता पुत्री श्री उमेश कारगवाल, लालकोठी स्कीम, जयपुर
29 जनवरी श्री कैलाश चन्द्र कुमावत (मामोडिया), झोटवाड़ा, जयपुर
30 जनवरी श्री भौंरीलाल अजमेरा, सांगानेर
30 जनवरी श्रीमती छोटी देवी धर्मपत्नी कालूराम कुदाल, झोटवाड़ा, जयपुर

1 फरवरी श्रीमती कंचन देवी धर्मपत्नी स्व. सत्यनारायण जी देवतवाल, जयपुर
1 फरवरी श्रीमती सुमित्रा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गोपाललाल बालोदिया, हाथोज, जयपुर
1 फरवरी श्री अशोक बड़ीवाल, पुत्र श्री लाल चन्द जी बड़ीवाल, किशनगढ़
1 फरवरी श्री मोहन लाल धमुनिया, गोविन्दगढ़, जयपुर
2 फरवरी श्री अमरचन्द मारोठिया, नांगल जैसी बोहरा, जयपुर
2 फरवरी श्री चुन्नीलाल बींवाल, गोविन्दगढ़, जयपुर
3 फरवरी श्री पोखरमल मारवाल, नींदड़,
3 फरवरी श्रीमती मैना देवी कुलचानिया, नारायणसिटी, जयपुर
3 फरवरी श्रीमती रुकमणी देवी धर्मपत्नी स्व. मोहनलाल जायलवाल, ब्यावर
4 फरवरी श्रीमती गुलाब देवी धर्मपत्नी स्व. श्री ओमप्रकाश कुण्डलवाल, ब्यावर
4 फरवरी श्री महेन्द्र कुमावत (किरोड़ीवाल), झोटवाड़ा, जयपुर
4 फरवरी श्रीमती विमलेश धर्मपत्नी श्री ओमप्रकाश कारगवाल, मीनावाला, जयपुर
8 फरवरी श्री कैलाश चंद तूंदवाल, जोबनेर
9 फरवरी श्रीमती कमला देवी राजोरिया, महेश नगर, जयपुर
9 फरवरी श्री सोहनलाल कुमावत (मारोठिया) पुत्र श्री शिवनारायण, पंचवटी कॉलोनी, अजमेर
13 फरवरी श्री गणेश लाल देवतवाल, शास्त्रीनगर, जयपुर
13 फरवरी श्री भोलाराम नागा, बरकतनगर, जयपुर
14 फरवरी श्री मुनेश गेदर, मानसरोवर, जयपुर
15 फरवरी श्रीमती फूली देवी भौंरोदिया, झोटवाड़ा, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
उत्कर्ष	B.Tech. (CS)	Self Eng. (Pvt.Ltd.)	26.7.2000	5'11''	गैदर	जालवाल	अनावड़िया	नीमीवाल	9983313564	जयपुर
सुनील	B.E. (Chemical)	MNC Comp.	29.10.94	5'5''	देवतवाल	जलान्दरा	आईथान	आसीवाल	9920236215	जयपुर
सोनू	10th	Chat Shop	26.2.95	5'7''	बबेरीवाल	अजमेरा	जलान्दरा	अनावडिया	9116851859	जयपुर
आकाश	B.A. ITI	Pvt. Ltd. Company	15.5.97	5'9''	तूनवाल	घोडेला	सिरस्वा	पारमवाल	9521645504	सीकर
दिनेश	B.Sc.	Self Business	26.10.96	5'8''	बधानिया	मारवाल	अवाडिया	देवतवाल	7792872904	जयपुर
आयुश	B.Com.	Deutsche Bank	22.10.94	5'8''	घोड़ेला	तूनवाल	जलान्दरा	खोरानिया	9983358105	जयपुर
अवदेश	B.Com.	Markating Pvt. Ltd.	10.4.98	5'1''	मारवाल	तूंदवाल	माचीवाल	बासनीवाल	9694879969	जयपुर
दीपेश	B.Com.	Genpact	13.8.95	5'8''	खाटूवाल	मोब्या	किरोड़ीवाल	भोरोदिया	9887419242	जयपुर
अनिल	M.Sc. Bed. LLB	Senior Associate	17.12.98	5'8''	गोठवाल	साड़ीवाल	बत्रा	घीया	9928696867	उदयपुर
सार्थक	B.Tech., PGDM	Pvt. Ltd.	3.10.98	6'0''	तांगडा	बड़ीवाल	तूनवाल	नीमीवाल	9828020912	–
निखिल	M.Tech. (CS)	Software Eng.	6.10.97	5'8''	मारेठिया	गैदर	सिरस्वा	अनावड़िया	9314529497	जयपुर
लोकेश	M.Sc (Botany)	Motivational Speaker	20.8.99	5'8''	किरोड़ीवाल	मारवाल	--	माचीवाल	9829195150	जयपुर
कृष्णा	12th	Self Guest House	27.7.96	5'9''	धमुनिया	मारेठिया	चुन्दवाल	कुंडलवाल	9828103125	रींगस
अमित	B.Tech.(CS)	Service	10.1.2001	5'5''	खोरानिया	धुंधारिया	कुद्दीवाल	मारवाल	8952819888	जयपुर
पुष्पेन्द्र	M.Com.	Pvt. Ltd.	9.2.96	5'8''	कुदीवाल	दोराया	पडल्याया	तांगड़ा	9672119776	जयपुर
यश	CS	SelfFinance CA	3.8.98	6'0''	झालवाल	बबेरीवाल	धनारिया	घीया	9460028716	उदयपुर
विकास	MA, B.Ed.	Service	20.3.99	5'8''	चोरसिया	नेहरा	देवतवाल	मारोठिया	8058079086	–
अक्षय	CA	SDC, Kolkata	20.7.95	5'10''	रेवाडिया	तुंगरिया	बासनीवाल	मारवाल	9660330276	जयपुर
डॉ.रजत	MBBS	Govt. Job	26.5.99	5'7''	राहोरिया	मान्नीया	मंडोरा	तूंदवाल	9460526511	ब्यावर
डॉ. हिमांशु	BAMS, MS.	Doctor	6.8.95	5'11''	राहोरिया	निम्बीवाल	खरक्टा	सिरस्वा	9828775767	नागौर
विनोद	B.Tech.(CS)	Developer	7.12.95	5'8''	घोड़ेला	नीमीवाल	टाक	जलान्दरा	9413226733	ब्यावर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
रितू	M.Com.	Pvt. Job.	13.8.94	5'1''	खोरानिया	कारगवाल	बालोदिया	काम्या	7877896848	जयपुर
दुर्गेशनंदनी	B.Tech. (IT)	Senior operatior	1.12.94	5'2''	किरोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
नितिका	M.Com..B.Ed.	Pvt	1.6.96	5'3''	देवतवाल	मामोडिया	अनावड़िया	मरोड़िया	98280407048	जयपुर
परिधि	M.Com.	-	20.12.2000	5'2''	घडवाल	जलान्दरा	घोड़ेला	मण्डलिया	9829140344	जयपुर
आयुषी	B.Art., M.Art. ITI	Beauty Salon	5.8.98	5'4''	जलान्दरा	जालवाल	धुंधरिया	बालोदिया	8000788131	जयपुर
मेघा	BCA	Job in FCI	17.7.96	5'2''	बारावाल	मारोठिया	बड़ीवाल	बालोदिया	9887157178	जयपुर
तरुणा	MBA (HR)	Cordinator	1.3.97	5'4''	कुण्डलवाल	बबेरवाल	जायलवाल	कुकुरवाल	94614077676	जोबनेर
अक्षिता	B.Tech. (CSE)	Asst. Manager	20.10.97	5'1''	मारोठिया	बोरोदिया	मारवाल	महावर	9250422222	कोटा
हिमानी	M.Com.	Compition	9.2.97	5'3''	बड़ीवाल	मरेडिया	मारवाल	घोड़ेला	9829677060	अजमेर
मंजू	B.Sc. (Nursing)	Nursing Officer	13.2.93	5'3''	नेमीवाल	झुंझुनोदिया	दम्बीवाल	मारवाल	9214716351	जयपुर
डिम्पल	MBA	Admin Cordinator	27.9.97	5'3''	बालोदिया	घोड़ेला	बेरा	उदयवाल	9828014254	जयपुर
श्वेता	ITI	Pvt. Company	3.11.96	5'3''	अनावडिया	भेरूडिंया	मारवाल	माचीवाल	8005638963	अजमेर
जूही (मांगलिक)	BBA	Study	1.11.2003	5'1''	ववड़ूा	बेगडिया	तिलाचड़ा	–	9414809637	उदयपुर
अतिका	MBA	Private Serv.	17.1.94	5'4''	कुण्डलवाल	मारवाल	दम्बीवाल	मालिया	9867053315	मुंबई
डॉ. अलिस्का	MBBS	Doctor	16.12.96	5'4''	कारगवाल	मामोडिया	बालोदिया	नीमीवाल	9414066571	जयपुर
डॉ. श्रुतिक	MBBS	Doctor	1.4.98	5'6''	सारड़ीवाल	बनावडिया	लोढ़या	कामा	9426115682	सूरत
डॉ. प्रियांशी	MBBS. Preparing	for NEET PG Doctor	4.3.2000	5'4''	डेयरा	मडमेल	डेल्लेचा	नोरबाडे	9826153697	धार, म.प्र.
सपना	M.Com.	Pvt. Job.	21.10.95	5'4''	जालवाल	धुंधारिया	कारगवाल	सिरोहिया	9928516430	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mail:kumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/30 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

रास रचाए गोकुल में कन्हैया होली में बन जाए रंग रसिया
सजाएं रंगों का साज हर एक द्वारे आज भी गोपियां रंग लिए
कान्हा की राह निहारें
होली की मंगल **शुभकामनाएं**

भारती-रमेश तोंदवाल

सचिव, कुमावत प्रगति ट्रस्ट, जयपुर
60, जय जवान कॉलोनी, टोंक रोड जयपुर
मो. 9414810584

प्रेम और सौहार्द की भावनाओं को विविध रंगों में
अभिव्यक्त करने वाले महापर्व **होली**
पर सभी देशवासियों को **हार्दिक शुभकामनाएं**

राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

उपाध्यक्ष कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका
433ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
मो. 9414074376

Squaroid Constructions

होली की
हार्दिक
शुभकामनाएं

A complete unique construction Activity
Since 40 years
By Late Shri Suwa Lal Marothiya
(Thekedar Ji) Phulera Wale

Gopal Kumawat
9829158241
Sitaram Kumawat
9928314836

Ar. Satyam Kumawat
7737220731

Office :
51-A, Shiv Colony Ist, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur-302019
Res.:
44-B, Shiv Colony Ist, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur-302019
Email : gopalsquaroid@gmail.com | gopal.kumawat011968@gmail.com

कुमावत समाज सांगानेर के चुनाव

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, सांगानेर, जयपुर के हाल ही में चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें श्री ओमप्रकाश मोरवाल अध्यक्ष, श्री नरेश कुमार मावर एवं श्रीमती पूनम अजमेरा उपाध्यक्ष, मुकेश कुमावत राजोरा महामंत्री, हनुमान कुमावत भोरोदिया एवं बीना कुमावत निराणिया उपमंत्री, सौभागमल कुमावत बधानिया कोषाध्यक्ष, हेमन्त कुमावत छापोला सांस्कृतिक मंत्री, अमित कुमावत बैरा संगठन एवं प्रचार मंत्री निर्वाचित हुए हैं।

श्री नवल किशोर बबेरीवाल को मुख्य परामर्शदाता तथा सर्वश्री प्रेमचन्द सिरस्वा, मोहनलाल बधानिया एवं भीमसिंह सिरोहिया को परामर्शदाता मनोनीत किया गया है। सर्वश्री ओम प्रकाश दम्बीवाल, सोनू भातरा, देवेन्द्र जहाजपुरिया, रोहित दोराया तथा रवि सिरस्वा को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 23 फरवरी को आयोजित किया गया।

उच्चतम न्यायालय का महत्वपूर्ण निर्णय

दहेज नहीं मांगे तो भी दर्ज हो सकता है धारा 498 ए का प्रकरण

माननीय उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में निग्रय दिया है कि महिलाओं से घरेलू हिंसा, उत्पीड़न तथा अत्याचार करने पर भी धारा 498ए का मामला बनता है। चाहे ससुराल पक्ष ने दहेज की मांग नहीं भी की हो। इसका उद्देश्य महिलाओं को उत्पीड़न से बचाना है।

स्व. 22.02.2013

12वीं पुण्यतिथि

22.02.2025

स्व. 10.11.2008

17वीं पुण्यतिथि

10.11.2025

स्व. श्री गुलाबचन्द कारगवाल **स्व. श्रीमती लादी देवी**

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :

पुत्र - पुत्रवधु : रूप सिंह - शारदा, उमेशचन्द - उर्मिला

पुत्री - दामाद : विमला - विजय मण्डावरा, उमा - सुशील आसीवाल

पौत्री-पौत्री दामाद : डॉ. देवांशी-इंजी. श्री पवन

पौत्र - पौत्री : गर्वित, हर्षिता, मिष्ठी एवं कारगवाल परिवार

:: कार्यालय एवं निवास :: **रूपन आर्ट्स** जयपुर । दिल्ली । नेपाल

ई-544, लालकोठी स्कीम, ज्योति नगर पुलिस थाने के सामने, जयपुर-302015

फोन : 0141-2741727, मो. 9314502407 ,9314502964

स्व. 18.02.2013

12वीं पुण्यतिथि

18.02.2025

स्व. श्रीमती निर्मल अजमेरा

धर्मपत्नी चन्द्रप्रकाश अजमेरा

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :

पुत्र - पुत्रवधु :

गौरव अजमेरा - मीनू अजमेरा

पुत्री - दामाद : उर्वशी - राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश

पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9829488824

स्व. श्री नाथूलाल जी कुमावत

(स्वर्गवास 25.02.2005)

20वीं पुण्यतिथि 25.02.2025

स्व. श्रीमती केसर देवी कुमावत

(स्वर्गवास 26.08.2014)

21वीं पुण्यतिथि 26.08.2025

हम सब परिवारजन सजल नयनों में
सह्रदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत पुत्र-पुत्रवधु : रूपचन्द-पार्वती, राम प्रकाश-सुनिता, राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या, सत्यप्रकाश-शकुन्तला, पुत्री-पुत्री दामाद : श्रीमती प्रकाश-स्व. श्री नेकचन्द जी मण्डावरा, श्रीमती विद्या-स्व. श्री प्रहलाद जी मारोठिया, श्रीमती मंजू-कजोड़ जी देवतवाल, पौत्र-पौत्र वधु : महेश-शलिनी, गीतेश-हर्षा, नरेश-डॉ. हेमा, देवेश-योगिता, आशीष-प्रियंका एवं रोहन पाल सिंह, पौत्री-पौत्री दामाद : रेनू-दिलीप जी, सोमा-सुधीर जी, अरुणा (टीना) चन्द्रप्रकाश जी, सोनिया-योगेश जी, मोनिका-चन्द्रशेखर जी रुबिया-विजेन्द्र जी, श्रृष्टि-सुमित जी एवं वापिका सिंह एवं समस्त मारवाल (टींकीवाले) परिवार

433 ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर

स्व. श्री नानूराम जी जलान्दरा

की 12वीं पुण्यतिथि

28 फरवरी 2025

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :

धर्मपत्नी : स्व श्रीमती रामप्यारी देवी

पुत्र - पुत्रवधु : ओमप्रकाश - लक्ष्मी, ताराचन्द - भगवति, मोहन लाल - ऊषा, दामोदर लाल - संतोष, महेश - सुनीता, महेन्द्र - सुनीता, ईश्वर - कृष्णा, प्रभूनारायण - पुष्पा

पुत्री - दामाद : रामरखी - सोहनलाल माचीवाल, सुशीला - रमेशचन्द भौरोंदिया, मीरा - कैलाश चन्द खाटूवाल

पौत्र-पौत्रवधु : जितेन्द्र - हेमा, दीपक - चन्द्रकला, राजेश - विमलेश, प्रमोद - डिम्पल, पंकज - कविशा, संजय - दिव्या, मनोज, विनोद, राहुल, हिमांशु, अनिरूद्ध, मृणाल, यश, तेजस

पौत्री - दामाद : इन्दू - मुकेश धुंधारिया, नीलू - नरेन्द्र बारवाल, दीपिका - नरेश सिरोहिया, अंजली,-भानू खोराणिया काजल, टीशा प्रपौत्र/प्रपौत्री : हर्ष, निखिल, सारांश, पूर्विक, डुग्गू, रूह

निवास : 190 ए शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर - 302012 • मोबाईल : 9828118789, 9509344684

फर्म : मै. महेशचन्द नानूराम, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर

116 वाँ
बॉलीवुड
गोल्डन ऐरा शो

Balodia's Live Band
DIAMOND Orchestra
Specialty:
Old Melodies Film Songs, Gazals, 25th & 50th marriage anniversary and party songs
Presents

116 वाँ
बॉलीवुड
गोल्डन ऐरा शो

Celebration 100th birthday anniversary of
Raj Kapoor (1st show man), Mohd. Rafi (Legendary Singer)
with some other bollywood stars (100+age)
Evergreen Dev Anand, Tragedy King Dilip Kumar
Pradeep Kumar & Bharat Bhushan & Tribute to Pankaj Uddas

तुमको ना भूल पायेंगे

RAJ KAPOOR

DEVANAND

DILIP KUMAR

MOHD. RAFI

PRADEEP KUMAR

PANKAJ UDDAS

BHARAT BHUSHAN

रविवार 30 मार्च, 2025

सायं 6:00 बजे

महाराणा प्रताप सभागार, विद्याश्रम स्कूल, जे.एल.एन. मार्ग

Watch on YOUTUBE type Mohan Kumar Balodia Songs
www.balodiadiamondorchestra.com

कार्यक्रम संयोजक एवं निर्देशक
मोहन कुमार बालोदिया
टी-सीरीज गायक
(Singer & Performer)
98290 89930

विज्ञापन

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

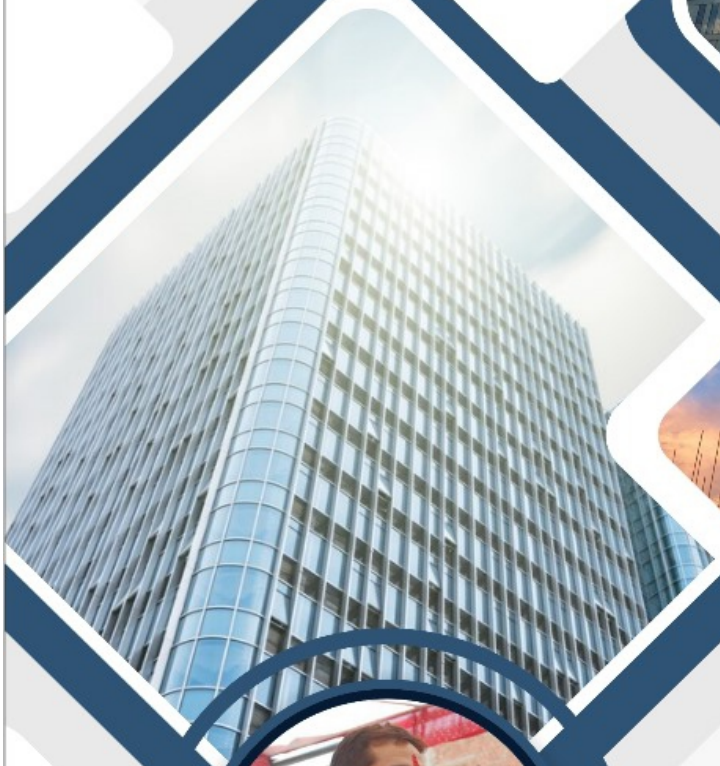

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

ADMISSION OPEN

Vijay Anand
International Academy

Vill. AkedaChoud, Vaya-Jahota. Tah. Rampura Dabri, Distt. Jaipur (Raj)-303701 Call 9460852525

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018